www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार ... | पत्र नहीं; मित्र | संपर्क : deshbandhubpl1@gmail.com

देशबन्धु

वर्ष – 36 I अंक – 320 I भोपाल, शनिवार, 22 नवम्बर 2025 I पृष्ठ–8 I मूल्य – 2.00 रुपए

व्यवहारिक ज्ञान वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से मिलता है — पृष्ठ 2

सिर्फ संत नहीं, विचार के लिए समर्पित थे
बिहार चुनाव : सवाल तो जीतने वालों पर भी हैं — पृष्ठ 4

सीएमएचओ ने निरीक्षण किया तो कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले — पृष्ठ 6

प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को बनाया जा रहा स्वावलंबी — पृष्ठ 8

सार-समाचार

मुख्यमंत्री आज हैदराबाद में करेंगे रोड-शो

दक्षिण भारत के उद्योगपतियों से निवेश पर होगा संवाद

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मध्यप्रदेश में बड़े औद्योगिक निवेश आकर्षित करने के लिए 22 नवंबर को हैदराबाद में 'इन्वेस्टमेंट अपॉर्चुनिटीज इन मध्यप्रदेश' सत्र में दक्षिण भारत के प्रमुख उद्योगपतियों के साथ संवाद करेंगे। यह सत्र उद्योग समूहों के लिए मध्यप्रदेश की नीतियों, आधारभूत संरचना और निवेश के अवसरों को जानने का महत्वपूर्ण मंच बनेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव हैदराबाद में उद्योग जगत के प्रतिनिधियों के साथ प्रदेश में निवेश विस्तार, नई इकाइयों की स्थापना और विभिन्न सेक्टरों में दी जा रही सुविधाओं पर संवाद करेंगे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ग्रीनको मुख्यालय का भ्रमण करेंगे। साथ ही ग्रीनको समूह के शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक भी होगी, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र में संभावित सहयोग और बड़े पैमाने के औद्योगिक निवेश पर चर्चा की जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव इसके बाद द लीला होटल में आयोजित मुख्य सत्र में उद्योगपतियों के साथ वन-टू-वन चर्चा करेंगे, जिनमें आईटी, आईटीआईएस, ईएसडीएम, बायोटेक, मैन्युफैक्चरिंग और एमएसएमई जैसे क्षेत्रों में निवेश योजनाओं और आगामी प्रोजेक्ट्स पर चर्चा होगी। सत्र में बायोटेक क्षेत्र पर केंद्रित एक महत्वपूर्ण राउंड टेबल मीटिंग होगी। इसमें नवाचार आधारित उद्योगों और अनुसंधान-आधारित परियोजनाओं के लिए मध्यप्रदेश में बन रहे अनुकूल वातावरण पर विस्तृत चर्चा होगी। औद्योगिक नीति एवं निवेश प्रोत्साहन प्रमुख सचिव राघवेन्द्र सिंह निवेशकों के समक्ष मध्यप्रदेश की उद्योग-हितैषी नीतियों, विकसित औद्योगिक कॉरिडोर, सेक्टर-आधारित क्लस्टर्स, औद्योगिक अधोसंरचना और निवेश प्रक्रियाओं को सरल बनाने के प्रयासों की जानकारी साझा करेंगे। उद्योग जगत के प्रमुख प्रतिनिधि भी मध्यप्रदेश को लेकर अपनी अपेक्षाएँ और अनुभव साझा करेंगे।

भारत व श्रीलंका के बीच हुई सैन्य वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत व श्रीलंका के वरिष्ठ सैन्य अधिकारियों के बीच एक महत्वपूर्ण वार्ता हुई है। इस वार्ता में सैन्य कमांडर्स ने दोनों देशों के बीच सैन्य सहयोग को मजबूत करने व क्षेत्रीय सुरक्षा को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की। यह भारत और श्रीलंका के बीच आर्मी-टू-आर्मी स्टाफ वार्ता थी। भारतीय सेना के मुताबिक यह तीन दिवसीय सैन्य वार्ता बोधगया में आयोजित की गई। तीन दिनों तक चली इन बैठकों में दोनों सेनाओं के वरिष्ठ अधिकारियों ने द्विपक्षीय सैन्य सहयोग को और मजबूत करने, इंटरऑपरेबिलिटी बढ़ाने, तथा क्षेत्रीय सुरक्षा ढांचे को सुदृढ़ करने पर विस्तृत चर्चा की है।

पश्चिम बंगाल में कोई बिल पेंडिंग नहीं : राज्यपाल बोस

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने सुप्रीम कोर्ट के गवर्नरों की विधायी शक्तियों और उनकी सीमाओं से जुड़े फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बैलेंस्ड नजरिया अपनाया है। राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने यह साफ कर दिया है कि गवर्नर या भारत के राष्ट्रपति के लिए कोई टाइमलाइन तय नहीं की जा सकती, लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने बहुत बैलेंस्ड नजरिया अपनाया है कि इसका मतलब यह नहीं है कि गवर्नर किसी फाइल पर अनिश्चित काल तक बैठे रह सकते हैं। इसकी देरी की कोई वजह होनी चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'एक और बात जो बंगाल के राज्यपाल के लिए बहुत खुशी की बात है, वह यह है कि तीन साल पहले हमने सरकार और विधानसभा के साथ बातचीत का प्रोसेस शुरू किया था। इसे भारत के सुप्रीम कोर्ट ने मंजूरी दी है।' राज्यपाल ने यह भी स्पष्ट किया कि पश्चिम बंगाल में कोई बिल पेंडिंग नहीं है।

कश्मीरियों को शक की निगाह से न देखा जाए : डॉ. फारूक

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू और कश्मीर नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने कहा है कि दिल्ली विस्फोट के बाद देशभर में कश्मीरियों को शक की निगाह से न देखा जाए। डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और सभी राज्यों तथा केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्यमंत्रियों से अपील की है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कश्मीरियों को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

दुबई एयर शो में बड़ा हादसा

भारतीय लड़ाकू विमान तेजस दुर्घटनाग्रस्त

पायलट की मौत, जांच के आदेश

दुबई, एजेंसी। दुबई एयर शो 2025 में शुक्रवार दोपहर भारतीय वायुसेना का अत्याधुनिक स्वदेशी लड़ाकू विमान एलसीए तेजस एक प्रदर्शन उड़ान के दौरान दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस हादसे में पायलट की मौत हो गई। वायुसेना ने गहन जांच के लिए कोर्ट ऑफ इन्क्वायरी के आदेश दिए हैं।

यह घटना उस समय हुई, जब तेजस निर्धारित एरोबेटिक अभ्यास के लिए उड़ान भर रहा था। दुर्घटना के कारणों की पुष्टि फिलहाल नहीं हो सकी है। भारतीय वायुसेना ने हादसे की पुष्टि करते हुए एक आधिकारिक बयान जारी किया है। वायुसेना ने बताया कि हादसे में पायलट को गंभीर चोटें आईं, जिससे उनकी मृत्यु हो गई। भारतीय वायुसेना ने कहा है कि वह पायलट की मौत से हुई इस अपूरणीय क्षति पर गहरा दुख प्रकट करती है और इस कठिन समय में शोकाकुल परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है।

दुबई एयर शो में इंटरनेशनल विमानों का प्रदर्शन किया जाता है। यहां दुनिया की बड़ी एयरोस्पेस कंपनियां, एयरलाइंस, एयर फोर्सेज और टेक्नोलॉजी कंपनियां अपने नए विमान, हेलिकॉप्टर, हथियार सिस्टम और एरोस्पेस टेक्नोलॉजी दिखाती हैं। पांच दिन के एयरशो का शुक्रवार को आखिरी दिन था। दुबई एयर शो की शुरुआत 1989 हुई थी। इसे दुबई के अल मकतूम इंटरनेशनल एयरपोर्ट में हर दो साल पर आयोजित किया जाता है। यह लगातार तीसरी बार है जब तेजस इसमें शामिल हुआ था। तेजस भारत का स्वदेशी रूप से विकसित हल्का बहुउद्देश्यीय लड़ाकू विमान है। इसे हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने डिजाइन और निर्मित किया है। दुबई एयर शो-2025 में इसकी उपस्थिति भारत की एयरोस्पेस क्षमताओं को वैश्विक मंच पर प्रदर्शित करने का एक महत्वपूर्ण अवसर मानी जा रही थी।

अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आईक्यू एयर' ने जारी की रैंकिंग

दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर

नई दिल्ली, एजेंसी। दुनिया भर में वायु प्रदूषण को मापने वाली अंतरराष्ट्रीय संस्था 'आईक्यू एयर' की नवीनतम लाइव रैंकिंग में भारत की राजधानी दिल्ली ने एक बार फिर चिंताजनक रिकॉर्ड दर्ज किया है। रैंकिंग में दिल्ली दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर है। इसके साथ ही दक्षिण एशिया के कई बड़े शहर इस सूची में शीर्ष स्थानों पर हैं। गुरुवार को दिल्ली का एयर क्वालिटी इंडेक्स 506 रहा, जो खतरनाक श्रेणी में आता है। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक शुक्रवार सुबह भी कई इलाकों में 450 से ऊपर दर्ज किया गया, जो 'गंभीर' श्रेणी में आता है। दिल्ली सरकार ने बढ़ते वायु प्रदूषण के चलते नवंबर-दिसंबर में सभी स्कूलों में स्पोर्ट इवेंट्स पर रोक लगा दी है। इससे पहले 18 अक्टूबर को दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली के स्कूलों में स्पोर्ट्स फंक्शन न हो।

दिल्ली ही नहीं, इसके पड़ोसी शहरों में भी हवा की गुणवत्ता बेहद खराब है। शुक्रवार को गाजियाबाद शहर का दोपहर 1 बजे एक्यूआई 428 दर्ज किया गया, जबकि नोएडा में यह आंकड़ा 395 रहा। ग्रेटर नोएडा में 356 एक्यूआई रिकॉर्ड किया गया। इसके साथ ही गुरुवार को ग्रेटर नोएडा ■ शेष पृष्ठ 2 पर

सभी स्कूलों में खेल गतिविधियों पर रोक लगी

सांस लेने में हो रही दिक्कत

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार हवा की रफ्तार बेहद कम होने के कारण प्रदूषक तत्व वातावरण में फंसे रह जाएंगे। इसके चलते प्रदूषण और बढ़ने की संभावना है। प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में दिक्कत हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि मौजूदा हवा में सांस लेना एक दिन में करीब 11 सिगरेट पीने जितना हानिकारक है।

एसआईआर के खिलाफ याचिका पर हुई सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से जवाब मांगा

- केरल सरकार ने प्रक्रिया रोकने की मांग की
- तमिलनाडु और बंगाल भी लगा चुके हैं अर्जी

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ दायर केरल सरकार की याचिका पर चुनाव आयोग से जवाब मांगा है। केरल और अन्य की याचिकाओं में केरल में एसआईआर कराने के चुनाव आयोग के फैसले को चुनौती दी गई है।

जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच ने मामले की सुनवाई 26 नवंबर तय की है। केरल में दिसंबर के दूसरे सप्ताह में स्थानीय निकाय चुनाव होने वाले हैं। इसलिए राज्य सरकार ने वोटर लिस्ट के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन को स्थगित करने की मांग वाली याचिका दायर की थी। याचिका में केरल सरकार ने कहा था कि कर्मचारियों की कमी के कारण चुनाव के साथ एसआईआर करवाने से दिक्कतें बढ़ रही हैं। जब संवैधानिक चुनाव चल रहे हों, तो बेकार में जल्दबाजी करके सत्यापन की गुणवत्ता को कम करना, मताधिकार के लोकतांत्रिक ■ शेष पृष्ठ 2 पर

गुजरात में बीएलओ ने की आत्महत्या

गुजरात के गिर सोमनाथ जिले में एक शिक्षक ने शुक्रवार को एसआईआर के काम दबाव के चलते कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। शिक्षक को बूथ लेवल अधिकारी (बीएलओ) के तौर पर नियुक्त किया गया था। परिवार ने दावा किया कि शिक्षक ने कथित सुसाइड नोट में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) अभियान की वजह से काम दबाव और मानसिक तनाव के चलते यह कदम उठाया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि शिक्षक अरविंद वढेर कोडिनार तालुका के देवली गांव के रहने थे और सुबह साढ़े छह बजे अपने घर पर ही फांसी के फंदे से लटके पाए गए। वढेर कोडिनार के छारा गांव में प्राइमरी स्कूल में तैनात थे। उल्लेखनीय है कि अब देशभर में एसआईआर के काम और बढ़ते तनाव के कारण 22 बीएलओ की अकाल मृत्यु की खबरें आई हैं।

सुसाइड नोट में एसआईआर को ठहराया दोषी

झारखंड और बंगाल में ईडी की कार्रवाई

कोयला माफिया से जुड़े 40 ठिकानों पर एक साथ छापे

नई दिल्ली, देशबन्धु। प्रवर्तन निदेशालय ने शुक्रवार को झारखंड और पश्चिम बंगाल में कोयला माफिया के खिलाफ धनशोधन मामले के तहत बड़े पैमाने पर छापेमारी की। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि करीब 100 अधिकारियों और एजेंसी के कर्मचारियों ने सुबह छह बजे से छापेमारी शुरू की।

कागजात और सोने चांदी के जेवर बरामद

इस दौरान 40 से अधिक परिसरों को कवर किया जा रहा है। केंद्रीय सुरक्षा बलों ने ईडी की टीमों को सुरक्षा प्रदान की, जिन्होंने घरों और कार्यालयों के अलावा टोल कलेक्शन बूथ और चेक पोस्ट पर भी तलाशी ली। उन्होंने बताया कि यह कार्रवाई धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत की जा रही है। ईडी की टीमों ने कुछ स्थानों से नकद और सोने के आभूषण भी जब्त किए। झारखंड में कोयला चोरी और तस्करी से जुड़ी जांच के तहत लगभग 18 स्थानों पर कार्रवाई की जा रही है। सूत्रों के अनुसार, अनिल गोयल, संजय उद्योग, एलबी सिंह और अमर मंडल से जुड़े ठिकानों को कवर किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि इन मामलों में कोयले की चोरी और हेराफेरी शामिल है, जिससे सरकार को सैकड़ों करोड़ रुपये का भारी नुकसान हुआ है।

गुरुग्राम में 108 करोड़ का भूखंड कुर्क

उधर, ईडी के गुरुग्राम क्षेत्रीय कार्यालय ने वाटिका लिमिटेड से जुड़े निवेशक मामले में पीएमएलए के प्रावधानों के तहत 1.35 करोड़ के एक वाणिज्यिक भूखंड को अस्थायी रूप से कुर्क किया है, जिसका अनुमानित मूल्य 108 करोड़ रुपये है।

बिहार सरकार में मंत्रियों के विभागों का बंटवारा

नीतीश कुमार ने पहली बार छोड़ा गृह विभाग

- सम्राट को गृह, विजय चौधरी को मिला वित्त विभाग
- ज्यादातर बड़े विभाग भाजपा नेताओं के पास

पटना, देशबन्धु। बिहार में दसवीं बार मुख्यमंत्री बने नीतीश कुमार ने शुक्रवार को मंत्रियों के बीच विभागों का बंटवारा करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नेता सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को उप मुख्यमंत्री का दर्जा दिया है । मंत्रिमंडल सचिवालय विभाग की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार, मुख्यमंत्री श्री कुमार ने सामान्य प्रशासन, मंत्रिमंडल सचिवालय, निगरानी, निर्वाचन और ऐसे सभी विभाग जो किसी को आवंटित नहीं है, अपने पास रखे हैं।

श्री कुमार ने भाजपा नेता सम्राट चौधरी को गृह विभाग की जिम्मेवारी दी है। काफी लंबे समय से यह विभाग मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पास था। श्री कुमार ने भाजपा नेता विजय कुमार सिन्हा को राजस्व एवं भूमि सुधार तथा खान एवं भूतत्व विभाग की जिम्मेदारी दी है। मुख्यमंत्री ने जनता दल यूनाईटेड (जदयू) नेता विजय कुमार चौधरी को जल संसाधन, योजना एवं विकास, मध निषेध, उत्पाद, सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, वित्त और वाणिज्य कर की जिम्मेवारी दी है। वित्त विभाग पूर्व में सम्राट चौधरी के पास था। जनता दल यूनाईटेड (जदयू) नेता श्रवण कुमार को ग्रामीण विकास और परिवहन विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। इसी तरह भाजपा नेता मंगल पांडेय को स्वास्थ्य और विधि विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। श्री पांडेय के पास पहले भी यही विभाग था। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष डा. दिलीप जायसवाल को उद्योग विभाग की जिम्मेवारी दी गई है। ज्यादातर बड़े विभागों की जिम्मेदारी भाजपा नेताओं ■ शेष पृष्ठ 2 पर

मुख्यमंत्री ने तीन दिवसीय फेड एक्सपो का किया शुभारंभ, बोले-

मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए पसंदीदा राज्य

- एक्सपो में रूस, ओमान, ताईवान भी कर रहे भागीदारी
- 2 लाख करोड़ की औद्योगिक इकाइयों के भूमिपूजन के लिए केंद्रीय गृहमंत्री को दिया आमंत्रण

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए तेजी से उभरता हुआ पसंदीदा राज्य बन रहा है। फेड एक्सपो जैसे आयोजन स्थानीय उद्योगों और स्टार्ट-अप्स को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच से जोड़ने में बड़ी अहम भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे एक्स्पो उद्योग-धंधों, नवाचार और एमएसएमई सेक्टर के विकास के लिए एक बड़ा मंच साबित होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुक्रवार को गोविन्दपुरा में आयोजित फेड एक्सपो-2025 समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार उद्योगों को बढ़ावा देने, एमएसएमई सेक्टर को अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने और ज्यादा से ज्यादा युवाओं को रोजगार के नए अवसर देने के लिए प्रतिबद्ध है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के एग्जिबिशन हॉल में फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयोजित तीन दिवसीय फेड एक्सपो-2025 का दीप प्रज्वलन कर विधिवत् शुभारंभ किया। यह एक्सपो 23 नवम्बर तक चलेगा। एक्सपो में मध्यप्रदेश सहित देश-विदेश से आए उद्योग एवं एक्सपोर्ट सेक्टर से जुड़े उद्यमियों, निवेशकों और संस्थानों ने व्यापक रूप से भागीदारी की। एक्सपो में रूस, ओमान और ताईवान देशों से भी उद्यमी आए हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में भारत दुनिया में अपनी विशेष पहचान बना रहा है। प्रदेश में औद्योगीकरण को बढ़ावा देने के लिए उद्योगपतियों और निवेशकों को 5000 एकड़ जमीन दी गई है। यह एक प्रकार से पांच हजार उद्योगपतियों को मध्यप्रदेश आने का निमंत्रण है। हम उद्योगपतियों से किए सभी वादों को प्रतिबद्धता के साथ पूर्ण कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जीआईएस और रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव के माध्यम से मिले सभी निवेश प्रस्तावों में से अब तक हम 8 लाख करोड़ रुपये के अधिक निवेश प्रस्तावों पर ठोस कार्यवाई कर चुके हैं। इनमें से 6 लाख करोड़ रुपये की औद्योगिक इकाइयों की स्थापना के लिए जमीनी स्तर पर काम प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने कहा कि 2 लाख करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली औद्योगिक इकाइयों का सामूहिक भूमिपूजन करने के लिए केंद्रीय गृहमंत्री को आमंत्रण दिया है। हम उनकी उपस्थिति में यह ऐतिहासिक भूमिपूजन संपन्न करेंगे। उन्होंने कहा कि बीते 4 दशकों में व्यापार-व्यवसाय की संभावनाओं को देखा जाए, तो इसमें मध्यप्रदेश फेडरेशन ऑफ चेंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज की भूमिका बड़ी अहम रही है।

फेडरेशन ऑफ मध्यप्रदेश चेम्बर्स ऑफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष दीपक शर्मा ने कहा कि दुनिया में बदलती वैश्विक परिस्थितियों के बीच यह एक्सपो नया मंच प्रदान करेगा। आज यहां रूस, ओमान और ताइवान से चेंबर्स के प्रतिनिधि विभिन्न उत्पादों के खरीदार के रूप में भी शामिल हुए हैं। मध्यप्रदेश के भोपाल, मंडीदीप, देवास और इंदौर में उद्योग विकास की अपार संभावनाएं हैं। सरकार ने मात्र दो साल की अल्प अवधि में 5000 एकड़ जमीन उद्योग विकास के लिए निवेशकों को आवंटित कर दी है। साथ ही उद्यमियों को 6500 करोड़ रुपये की सब्सिडी अंतरित की गई है। उद्योगों के लिए पूरी पारदर्शिता ■ शेष पृष्ठ 2 पर

भारत-रूस सदियों पुराने मित्र

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारत और रूस सदियों पुराने मित्र देश हैं। दुनियाभर में हमारी दोस्ती की मिसाल दी जाती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि रूस के साथ शहरी विकास के लिए अनेक प्रयास किए जा रहे हैं। भोपाल की आबो-हवा और यहां की तासीर से मिलते-जुलते रूस के सांस्कृतिक शहर स्मोलेन्स्क को हम ट्विन सिटी (सिस्टर्स सिटीज) बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रूस, ओमान और ताईवान से आए उद्यमियों से कहा कि आप सब इस एक्स्पो में मध्यप्रदेश के आइडिया, कैलिबर और कैपेसिटी को देख ही रहे हैं। उन्होंने विदेशी दल से आत्मनिर्भर और विकसित मध्यप्रदेश की यात्रा में शामिल होने का आह्वान भी किया।

प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों से राज्यपाल ने कहा -

व्यवहारिक ज्ञान वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से मिलता है

भोपाल, देशबन्धु। पूरी एकाग्रता और समर्पण के साथ सीखना ही भावी जीवन की सफलताओं का आधार है। प्रशिक्षण के दौरान छोटी सी चूक भविष्य की बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। यह बात आज राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कही। उन्होंने कहा कि संवेदनशीलता पूर्वक किए सेवा कार्यों से आत्मिक आनंद मिलता है। भौतिक सुविधाओं का सुख क्षणिक होता है। हर समय, हर समाज में अच्छे व्यक्तियों का सदैव सम्मान होता है। श्री पटेल ने कहा कि भावी जीवन में सदैव सीखने और अनुभवों से समझने का भाव रहना चाहिए। उन्होंने कहा क महत्वपूर्ण उपयोगी व्यवहारिक ज्ञान समाज के सबसे वंचित, पिछड़े और गरीब व्यक्तियों से ही मिलता है। श्री पटेल आज राजभवन में आए आर.सी.वी.पी. नरोन्हा प्रशासन अकादमी के प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टरों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में सिविल सेवक सरकार और जनता के बीच की महत्वपूर्ण कड़ी होते हैं। सुशासन का आधार होते हैं। सुशासन की प्राथमिक आवश्यकता है कि अधिकारी संवेदनशीलता, विवेक, न्यायोचित व्यवहार और तथ्यों के आधार पर निर्णय करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा योजनाओं का निर्माण वंचित, गरीब और पिछड़े व्यक्तियों, समुदायों की मदद और उत्थान के उद्देश्यों से होता है। योजना की मंशा के भाव, भावनाओं और हितग्राही की परिस्थितियों को समझे बिना उनके स्वरूप के निर्धारण और क्रियान्वयन से समस्याएं उत्पन्न होती है। उन्होंने नल-जल और आवास योजनाओं के प्रसंग के माध्यम से प्रशिक्षु अधिकारियों को क्रियान्वयन की जमीनी हकीक़तों से परिचित कराया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक सफलता कमरों में रहकर कार्य से नहीं मिलती। क्षेत्र का सघन भ्रमण जरूरी है।

राज्यपाल के समक्ष प्रशिक्षु डिप्टी कलेक्टर सुश्री कविता यादव और निशांत भूरिया ने प्रशिक्षण के अनुभवों को साझा किया। आभार प्रदर्शन सह-प्रशिक्षण संचालक सुश्री रुचि जैन ने किया। राज्यपाल को अकादमी संचालक ने स्मृति चिन्ह भेंट किया। राज्यपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत मोहन कोठारी और अपर सचिव उमाशंकर भार्गव भी मौजूद थे।

प्रशिक्षण में 2 दर्जन डिप्टी कलेक्टर शामिल

श्री पटेल को आर.सी.व्ही.पी. प्रशासन एवं प्रबंध अकादमी के संचालक मुजीबुर्रहमान खान ने प्रशिक्षण के स्वरूप और व्यवस्थाओं के संबंध में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 14 जुलाई से 19 दिसम्बर तक के लिए आयोजित परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम में 24 डिप्टी कलेक्टर शामिल है। मैदानी चुनौतियों और स्वच्छ प्रशासन के लिए नियमों, प्रावधानों और सॉफ्ट सिकल, अंतर्विभागीय समन्वय के विभिन्न आयाम प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में सम्मिलित है। प्रशिक्षार्थियों को पुलिस ट्रेनिंग, भू-सर्वेक्षण और विकासात्मक गतिविधियों से परिचित कराने प्रदेश के विभिन्न जिलों और तेलंगाना राज्य का भ्रमण भी कराया गया है।

ओंकारेश्वर में पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का हुआ शुभारंभ

उज्जैन से ओंकारेश्वर 40 मिनट में पहुंचे यात्री

सांसद और विधायक ने किया स्वागत

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने प्रदेश में एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने और पर्यटकों को त्वरित, सुगम और सुरक्षित सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रदेश के 70वें स्थापना दिवस पर भोपाल से पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का शुभारंभ किया था। इसके तहत ओंकारेश्वर में शुक्रवार को हेलीकॉप्टर से उज्जैन से 5 तीर्थ यात्रियों ने 40 मिनट में ओंकारेश्वर पहुंचकर ज्योतिर्लिंग के दर्शन किए। तीर्थ यात्रियों का आगमन खण्डवा के ग्राम कोठी के हेलीपैड पर हुआ। जहां खंडवा सांसद ज्ञानेश्वर पाटिल और मांधाता विधायक नारायण पटेल ने हेलीकॉप्टर से आने वाले सभी तीर्थ यात्रियों का माल्यार्पण कर स्वागत किया।

पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा के शुभारंभ अवसर पर सांसद श्री पाटिल ने कहा कि आज का दिन खंडवा जिले और ओंकारेश्वर के नागरिकों के लिए गौरव का दिन है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में ओंकारेश्वर में विकास कार्य लगातार जारी हैं। ओंकारेश्वर में एकात्म धाम विकसित हो रहा है, नर्मदा किनारे घाटों का सौंदर्यीकरण का कार्य लगातार जारी है। सिंहस्थ-2028 प्रारंभ होने से पहले ओंकारेश्वर फोरलेन सड़क से तो जुड़ ही जाएगा, साथ ही ओंकारेश्वर रोड रेलवे स्टेशन भी शीघ्र ही प्रारंभ होगा, जिससे रेल मार्ग से आने वाले यात्रियों को सुविधा होगी। उन्होंने पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा प्रारंभ करने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आभार व्यक्त किया।

अपर कलेक्टर श्रीमती सृष्टि देशमुख गौड़ा ने इस अवसर पर बताया कि इस नई सुविधा से पर्यटकों को कम समय में अधिक गंतव्यों तक पहुंचने का अवसर मिलेगा। इस सेवा की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि उज्जैन और ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग तक की यात्रा अब मात्र 20 से 40 मिनट में संभव होगी। इंदौर से उज्जैन तक 20 मिनट की उड़ान का अनुमानित किराया 5 हजार रूपये, उज्जैन से ओंकारेश्वर तक 40 मिनट की उड़ान का किराया 6500 और ओंकारेश्वर से इंदौर लौटने का किराया लगभग 5500 रूपये रखा गया है। पीएमश्री हेली पर्यटन सेवा का लाभ लेकर श्रद्धालु एक ही दिन में महाकालेश्वर और ओंकारेश्वर ज्योर्तिलिंग के दर्शन आसानी से कर सकेंगे।

पूर्व मुख्यमंत्री स्व. नरेशचंद्र सिंह की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

भोपाल, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को म.प्र. विधानसभा भवन पहुंचकर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. नरेशचंद्र सिंह की जयंती पर उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नरेशचंद्र सिंह राज गोंड प्रदेश के इतिहास में एकमात्र जनजातीय और मध्यप्रदेश के 6वें मुख्यमंत्री रहे। उनकी कार्य अवधि 13 मार्च 1969 से 25 मार्च 1969 तक कुल 13 दिन रही। उनके मुख्यमंत्री बनने का समय संविद सरकार थी। राजनीतिक अस्थिरता की वजह से उनका कार्यकाल बहुत छोटा रहा। इस अवसर पर विधायक श्री भगवान दास सबनानी, विधानसभा के प्रमुख सचिव सहित जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री श्री नरेशचंद्र सिंह का जन्म 21 नवम्बर 1908 को हुआ था। वे जनजातीय राजवंश के राजा थे। जनवरी 1948 को अपने राज्य के भारत संघ में विलय होने तक वे सारंगढ़ रियासत के शासक थे।

रोहिणी कलम आत्महत्या मामला : प्रीतम सिंह की गिरफ्तारी से गुत्थी सुलझने की उम्मीद

कोच की सरगर्मी से तलाश कर रही पुलिस

देवास/भोपाल, देशबन्धु। मार्शल आर्ट की अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ी रोहिणी कलम आत्महत्या मामले में पुलिस द्वारा बुधवार को जुजित्सु संघ के उपाध्यक्ष प्रीतम सिंह की गिरफ्तारी से गुत्थी सुलझने की उम्मीद बंधी है। रोहिणी ने 26 अक्टूबर को देवास स्थित अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। मृतका के पास कोई सुसाइट नोट न मिलने से शुरुआत में इस मामले में जांच में दिक्कत आ रही थी। रोहिणी के परिजनों को शक था कि प्रीतम सिंह और कोच विजेन्द्र खरसोदिया ने रोहिणी को आत्महत्या के लिए उकसाया था।

पुलिस ने इस मामले में पुलिस ने प्रीतम और विजेन्द्र के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध दर्ज किया था। पुलिस ने प्रीतम को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है, जबकि कोच की पुलिस सरगर्मी से तलाश कर रही है। पुलिस का दावा है कि आरोपी कोच को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

थाना प्रभारी अमित सोलंकी के मुताबिक जांच में प्रताड़ना की बात सामने है। कोच विजेन्द्र रोहिणी को बीमारी के बाद भी प्रतियोगिताओं में भेजने का दबाव बनाते थे और उसे आराम नहीं करने देते थे। वहीं, प्रीतम सिंह रोहिणी को किसी और से बात नहीं करने देते थे, जिसके चलते रोहिणी गहरे तनाव में थी। आत्महत्या से ठीक पहले भी रोहिणी की प्रीतम सिंह से फोन पर बात हुई थी, इसके बाद ही उसने यह आत्मघाती कदम उठाया। इस मामले परिजनों ने 3 बार पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच के साथ ही प्रीतम और विजेद्र के कॉल डिटेल निकलवाने की मांग की थी। जांच में यह बात सामने आई कि रोहिणी की इन्हीं दोनों से ज्यादा बात होती थी।

अबू धाबी में जीता था कांस्य

रोहिणी ने वर्ष 2007 में खेल जीवन की शुरुआत की थी और 2015 से पेशेवर रूप से प्रतियोगिताओं में भाग ले रही थीं। उन्होंने पिछले वर्ष अबू धाबी में आयोजित अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता में कांस्य पदक जीता था। वह जुजित्सु संघ की महासचिव भी थीं और वर्तमान में आष्टा के एक निजी स्कूल में मार्शल आर्ट कोच भी थीं। वह 4 बहनों में सबसे बड़ी थीं।

विधायक अलावा ने लिखा था मुख्यमंत्री को पत्र

मनावर क्षेत्र से विधायक डॉ. हिरालाल अलावा ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को पत्र लिखकर रोहिणी की आत्महत्या से पहले उनके साथ मारपीट और उत्पीड़न के संबंध में गहन पूछताछ और न्यायिक जांच के आदेश देने की मांग की थी।

डॉ. अलावा ने पत्र में रोहिणी की छोटी बहन रोशनी कलम के हवाले से जुजुल्सु संघ के पदाधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाए। डॉ. अलावा को रोशनी ने बताया कि रोहिणी आत्हत्या से एक दिन पहले शनिवार दोपहर 3 बजे के करीब घर आई थी, उन्होंने कहा था कि घर के सभी लोगों को कह दो कि यदि विजेन्द्र सर, वेदांत, प्रीतम सिंह सोलंकी अथवा क्लब का कोई सदस्य मेरे बारे में फोन लगाकर पूछे कि मैं किस समय घर पर आई हूं तो उन्हें वास्तविक समय नहीं बताना बल्कि कह देना कि 2 बजे घर आई थी। विजेन्द्र रोहिणी के आने जाने पर नजर रखते थे। रोशनी के हवाले से विधायक अलावा ने इस बात का भी उल्लेख किया कि रोहिणी के पेट में गठान थी, ऑपरेशन के बाद भी उन्हें आराम नहीं करने दिया जाता था। रोहिणी को कहीं न कहीं किसी काम का कहकर अपने साथ लेकर जाते थे, जिम्मेदारी अथवा किसी दवाब की वजह से रोहिणी मना नहीं कर पाती थीं। परिजनों की मांग है, कि रोहिणी की आत्महत्या के पूर्व उनके साथ मारपीट और उत्पीड़न की गहन जांच कर दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में अभ्युदय मध्यप्रदेश के दर्शन

मप्र की विरासत से विकास की झांकियां बनीं आकर्षण का केंद्र

भोपाल, देशबन्धु। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकसित भारत के सपने को साकार करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश विकसित भारतङ्ग2047 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए अग्रसर है। सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मध्यम उद्योग मंत्री चैतन्य काश्यप ने 44वे अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश दिवस के अवसर पर यह बाते कहीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने 18 नई नीतियां बनाई है, जो निवेशमित्र है और निवेशकों को आकर्षित करती हैं। मंत्री श्री काश्यप ने मध्यप्रदेश मंडप का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर मंडप का भ्रमण किया। इस अवसर पर मंदसौर की सांसद श्री सुधीर गुप्ता, और अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे।

अभ्युदय मध्यप्रदेश के दर्शन प्रगति मैदान दिल्ली में चल रहे भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में किए जा सकते हैं। %एक भारत-श्रेष्ठ भारत% थीम पर 14 से 27 नवंबर तक चलने वाले मेला में मध्यप्रदेश की विरासत से विकास की अद्भुत झांकी, एक जिला-एक उत्पाद और परम्परागत कलाकृतियों आगंतुकों को आकर्षित कर रही है। मध्यप्रदेश देश का हृदय प्रदेश है। यहां कि ऐतिहासिक धरोहर, प्रचुर प्राकृतिक संसाधन, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल, लोक परम्पराओं की समृद्धि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प एक भारत-श्रेष्ठ भारत को न केवल पूरी कर रही है अपितु विश्व पर्यटन मानचित्र पर इसे अग्रणी स्थान दिला रही है।

अमेरिका से प्रकाशित एक प्रतिष्ठित पत्रिका ने विगत वर्ष मध्यप्रदेश को दुनिया के टॉप 10 टूरिज्म डेस्टिनेशन में शामिल किया जो गौरव का विषय है। इस सन्दर्भ का उल्लेख प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा 25 दिसम्बर को खजुराहो में पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी बाजपेई की जयंती कार्यक्रम में किया गया था। 44वें भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेले में मध्यप्रदेश मण्डप ग्वालियर किला के रूप में तैयार किया गया है। मण्डप के केन्द्र में 64 योगिनी मन्दिर मुरैना के दर्शन होते है। मण्डप को मेले की थीम %एक भारत-श्रेष्ठ भारत% के अनुरूप सजाया गया है। लुटियन्स ने जब भारतीय संसद भवन का डिजाइन तैयार किया था तब उन्होंने भारत वर्ष की प्रसिद्ध इमारतों के डिजाईन बुलवाये थे, जिसमें से उन्होने मुरैना जिले के 64 योगिनी मन्दिर का चयन कर भारतीय संसद भवन का निर्माण कराया था। मण्डप में मध्यप्रदेश की विश्व धरोहार खजुराहों, सांची स्तूप एवं भीमबेटका के साथ प्रस्तावित धरोहर स्थलों, विभिन्न सांस्कृतिक माहोत्सव, हस्तशिल्प, हाथकरघा, जी.आई. ओ.डी.ओ.पी. उत्पादों को भी सजाया गया है।

मंडप में इन उत्पादों को होलोग्राफिक इमेज से भी प्रदर्शित किया जा रहा है। इन उत्पादों की बिक्री भी हो रही है। इसमें राज्य शासन की विभिन्न नीतियों एवं उपलब्धियों को प्रदर्शित किया गया है। मण्डप में औद्योगिक विकास के साथ पर्यटन की भी पूर्ण जानकारी प्रदर्शित की गयी है। मण्डप में सिंहस्थ-2028 की तैयारी को भी दर्शाया गया है। इन्दौर के जी.आई. उत्पाद, चमड़े के खिलौने एवं टेराकोटा के उत्पाद भी प्रदर्शित किये गये है। स्टार्ट-अप भी अपने उत्पादों का प्रचार और विक्रय कर रहे हैं। मध्यप्रदेश मण्डप, निर्मित विरासत, सांस्कृतिक विरासत, जनजातीय विरासत एवं वन्य जीवन को आकर्षक रूप से प्रदर्शित करता है। मण्डप जहां एक ओर प्रदेश की गौरवशाली विरासत को प्रदर्शित कर रहा है वही दूसरी ओर सम्पूर्ण भारत को एक सूत्र में बांधने का संदेश भी दे रहा है। यही कारण है कि मेले में इस बार फिर मध्यप्रदेश मण्डप दर्शकों के लिए आकर्षण का केन्द्र बना हुआ है। यहां अभ्युदय मध्यप्रदेश की झलक स्पष्ट देखी जा सकती है।

प्रदेश के लोक नृत्य की धूम

मध्यप्रदेश के प्रसिद्ध लोक नृत्यों की धूम पूरे अंतर्राष्ट्रीय मेले में मची हुई है। मटकी लो नृत्य, पनिहारी लोक नृत्य और बघेली लोक गायन जैसे पारंपरिक नृत्यों ने लोगों का मन मोह लिया है। मटकी लोक नृत्य में महिलाएं रंग-बिरंगे पारंपरिक वेशभूषा में चेहरे पर घूंघट डाले, ढोल की थाप पर एक खास लय में नृत्य करती हैं। यह नृत्य आड़ा-खड़ा और रजवाड़ी के नाम से भी जाना जाता है। पनिहारी लोक नृत्य महिलाओं के जीवन को चित्रित करता है, जो पानी के घड़े दूर से लाती हैं। इसके गीत भी पानी और बारिश के महत्व के बारे में हैं। श्रीमती शीला बरनाठी बघेली लोक गायन की प्रसिद्ध लोक गायिका बघेली लोक गायन मध्यप्रदेश के रीवा, सतना, शहडोल, सीधी, अनुग्रह और उमरिया जिलों में प्रचलित है।

अमृत हरित महाअभियान के लिये संभागवार बैठकें होंगी

भोपाल, देशबन्धु। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग ने प्रदेश के सभी नगरीय निकायों को वर्ष 2026 के लिये व्यापक पौधरोपण अभियान की कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिये हैं। इस संबंध में संभागीय स्तर पर कार्यशाला आयोजित करने का सिलसिला शुरू हो गया है। आयुक्त नगरीय प्रशासन श्री संकेत भोंडवे 28 नवम्बर को सागर में अमृत हरित महाअभियान पर केन्द्रित बैठक में तैयार की गई कार्ययोजना की समीक्षा करेंगे। ग्वालियर में पिछले दिनों नगरीय निकायों के अमृत हरित महाअभियान के नोडल अधिकारी और फील्ड स्टाफ की हुई बैठक में ग्वालियर और चंबल संभाग की तैयार की गई कार्ययोजना पर चर्चा हुई। बैठक के बाद हुई कार्यशाला में अमृत मित्र महिलाओं को पौधों की सुरक्षा का प्रशिक्षण दिया गया। ग्वालियर चंबल संभाग के 59 नगरीय निकायों में पिछले वर्ष 3 लाख 50 हजार विभिन्न किस्मों के पौधों का रोपण हुआ था। कार्यशाला में ग्वालियर नगर निगम आयुक्त श्री संघप्रिय ने वर्ष 2026 के लिये तैयार की जा रही कार्ययोजना की जानकारी दी। जबलपुर में 5 दिसम्बर को और इंदौर में 10 दिसम्बर को कार्यशाला आयोजित की जा रही है। इन कार्यशालाओं में स्वयंसेवी संगठनों के प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। नगरीय निकायों द्वारा वर्ष 2026 में सीवरेज, वॉटर ट्रीटमेंट प्लांट और ओवरहेड टेंक के साथ जलसंरचनाओं के आस-पास की भूमि पर व्यापक पौधरोपण की तैयारी किये जाने के लिये कहा गया है। नगरीय निकायों को स्थानीय स्तर पर नर्सरियों को समृद्ध करने के लिये कहा गया है। इन बैठकों में वर्ष-2025 में लगाएं गए पौधों की सुरक्षा संबंधी व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की जा रही है।

कांग्रेस ने सार्वजनिक किया 'द नेहरू आर्काइव'

नेहरू से संबंधित सामग्री सभी के लिए उपलब्ध

नई दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस पार्टी ने भारत के पहले प्रधानमंत्री, जवाहरलाल नेहरू से संबंधित लाखों पन्नों की सामग्री को पूरी तरह से डिजिटाइज कर सार्वजनिक कर दिया है।'द नेहरू आर्काइव' नाम का यह ओपन-एक्सेस डिजिटल प्लेटफॉर्म अब आम नागरिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और इतिहास प्रेमियों के लिए उपलब्ध है। बिना किसी शुल्क के नेहरू की चिट्ठियां, भाषण, नोट्स, किताबों के ड्राफ्ट और अन्य दस्तावेज देखे व डाउनलोड किए जा सकते हैं। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में ये घोषणा की।

कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा, 'फैक्ट्स तो फैक्ट्स होते हैं और आपके लाइक्स की वजह से गायब नहीं होंगे। पंडित नेहरू और भारत के लिए उनकी बड़ी कामयाबियों को जानबूझकर तोड़-मरोड़कर पेश करने, गलत जानकारी और फेक न्यूज देने के इस दौर में, सच्चाई और आने वाली पीढ़ियों के लिए उनकी लिखी बातों को डिजिटाइज करना सही है।' उन्होंने आगे कहा, 'मुझे खुशी है कि 'द नेहरू आर्काइव' अब लाइव है। यह जवाहरलाल नेहरू की लिखी बातों का भारत का पहला बड़ा, ओपन-एक्सेस डिजिटल आर्काइव है, जिसमें चिट्ठियां, भाषण, नोट्स और भी बहुत कुछ हैं, जो सभी आपस में जुड़े हुए हैं और आसानी से इस्तेमाल के लिए फ्री में उपलब्ध हैं।'

नेहरू के शब्द एक ताकतवर रास्ता दिखाते हैं: राहुल

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने एक्स पोस्ट में लिखा, 'नेहरू की लिखी बातें सिर्फ इतिहास नहीं हैं, वे भारत की बदलती सोच का रिकॉर्ड हैं। जो कोई भी हमारे देश की डेमोक्रेटिक यात्रा - उसकी हिम्मत, उसके सवाल, उसके सपनों को समझना चाहता है, उसके लिए उनके शब्द एक ताकतवर रास्ता दिखाते हैं। मुझे खुशी है कि यह विरासत अब सबके लिए खुली, खोजने लायक और मुफ्त है। इसे और बढ़ाया जाएगा।'

मैक्सिको की फातिमा बॉश बनी मिस यूनिवर्स

विवाद से भी रहा नाता

नई दिल्ली, एजेंसी। मिस यूनिवर्स का खिताब पाना हर किसी का सपना होता है और इस बार साल 2025 में 130 देशों की प्रतियोगिओं को पीछे छोड़कर मैक्सिको की फातिमा बॉश के सिर मिस यूनिवर्स का ताज सजा है। विवादों में रहने के बाद भी 25 साल की फातिमा बॉश को खिताब मिला। उन्हें मिस थाइलैंड के निदेशक नवात इत्साराग्रिसिल ने बीच शो में तीखी डांट लगाई थी और शो के बाकी कंटेस्टेंट ने भी विरोध किया था, लेकिन विरोध के बीच भी फातिमा बॉश ने इतिहास रच दिया। 74वीं मिस यूनिवर्स प्रतियोगिता के फाइनल में सभी देशों की अलग-अलग ब्यूटी क्वीन्स गाउन पहनकर स्टेज पर आई। प्रतियोगिता में फर्स्ट रनरअप थाईलैंड की प्रवीणर सिंह, सेकेंड रनरअप मिस वेनेजुएला और थर्ड रनरअप मिस फिलीपींस रहीं। भारत से राजस्थान की मनिका विश्वकर्मा भी प्रतियोगिता का हिस्सा रहीं लेकिन वे टॉप-12 तक भी अपनी जगह नहीं बना पाईं। वे प्रतियोगिता के 30वें राउंड तक ही पहुंच पाईं। इससे पहले मिस यूनिवर्स 2024 का खिताब विक्टोरिया केजर थेलविग के सिर सजा था, जोकि डेनमार्क को री-प्रेजेंट कर रही थीं।

प्रथम पृष्ठ का शेष

सुप्रीम कोर्ट ने चुनाव आयोग से.... अधिकार के खिलाफ है। केरल के अलावा तमिलनाडु और बंगाल भी एसआईआर के खिलाफ याचिका लगा चुके हैं। इंडियन मुस्लिम यूनियन लीग की याचिका भी सुप्रीम कोर्ट में हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एसआईआर के खिलाफ अब तक 10 याचिकाएं लग चुकी हैं। उत्तर प्रदेश में चल रही इसी प्रक्रिया को कांग्रेस के बाराबंकी से सांसद तनुज पूनिया ने चुनौती दी है। उन्होंने अपनी याचिका में कहा कि एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची को प्रभावित करने और चुनावी निष्पक्षता पर संदेह पैदा करने वाली है।

दिल्ली दुनिया का सबसे.... देश का सबसे प्रदूषित शहर रहा था। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार, दिल्ली-एनसीआर में अगले कुछ दिनों में प्रदूषण और बढ़ सकता है। इसके साथ ही 22 नवंबर से कई इलाकों में एक्यूआई के गंभीर श्रेणी में पहुंचने का अनुमान है। विशेषज्ञों का कहना है कि 23 नवंबर को हवा की गुणवत्ता 'बहुत खराब' स्तर में जा सकती है और इसके बाद लगातार छह दिनों तक राहत की उम्मीद नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने.... को दी गई है। जदयू नेता अशोक चौधरी को पहले की तरह इस बार भी ग्रामीण कार्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है।

इसी तरह जदयू नेता लेसी सिंह को भी पिछले कैबिनेट की तरह खाद्य उपभोक्ता एवं संरक्षण विभाग की जिम्मेदारी दी गयी है। भाजपा नेता नितिन नवीन को पथ निर्माण एवं नगर विकास तथा आवास, जदयू नेता मदन सहनी को समाज कल्याण विभाग, भाजपा नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री राम कृपाल यादव को कृषि , केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के पुत्र और हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) नेता संतोष कुमार सुमन को लघु एवं जल संसाधन , जदयू नेता सुनील कुमार को शिक्षा तथा विज्ञान , प्रावैधिकी एवं तकनीकी शिक्षा विभाग की जिम्मेवारी सौंपी गयी है।जदयू नेता मोहम्मद जमा खान को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग सौंपा गया है। इसी तरह भाजपा के कोटे से संजय सिंह टाइगर को श्रम संसाधन, अरूण शंकर प्रसाद को पर्यटन और कला संस्कृति तथा युवा विभाग,सुरेन्द्र मेहता को पशु एवं मत्सय संसाधन, नारायण प्रसाद को आपदा प्रबंधन विभाग,पूर्व सांसद अजय निषाद की पत्नी रमा निषाद को पिछड़ा वर्ग एवं अति पिछड़ा कल्याण विभाग,लखेन्द्र कुमार रौशन को अनुसूचित जाति एवं अनूसचित जनजाति कल्याण विभाग,पूर्व केन्द्रीय मंत्री दिवंगत दिग्विजय सिंह की पुत्री श्रेयसी सिंह को सूचना प्रावैधिकी एवं खेल विभाग, डा. प्रमोद कुमार को सहकारिता , पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की जिम्मेवारी दी गयी है।

मध्यप्रदेश उद्योगों के लिए.... के साथ भूमि आवंटित की जा रही है। फेडरेशन के संयुक्त अध्यक्ष अखिलेश राठी ने कहा कि फेड एक्सपो के दूसरे संस्करण में 3 देशों के प्रतिनिधि भी शामिल हुए हैं। हमारा फेडरेशन एक प्रकार से चेंबर ऑफ चेंबर्स है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में प्रदेश में औद्योगीकरण के लिए तेजी से निर्णय लिए जा रहे हैं। कई बड़े-बड़े उद्योग समूह कहते हैं कि मध्यप्रदेश अब उनका च्वाइस डेस्टिनेशन ऑफ इन्वेस्टमेंट बन चुका है। प्रदेश में हो रही इन्वेस्टमेंट समिट से न केवल बड़े बल्कि हर क्षेत्र के छोटे उद्योगों को भी लाभ मिला है।

रूस के स्मोलेन्स्क शहर की स्मोलेन्स्क चैम्बर ऑफ कमर्स एंड इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष अर्किपेंकोव व्लादिमीर ने रशियन भाषा में संबोधित किया। उन्होंने कहा कि रूस और भारत अपने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूती प्रदान करते हुए औद्योगीकरण, ऑटोमोबाइल, कृषि, अधोसंरचना सहित विभिन्न क्षेत्रों में आगे बढ़ रहे हैं। हमें पूरा विश्वास है कि इस एक्सपो के जरिए औद्योगिक, सांस्कृतिक और पर्यटन जैसे क्षेत्रों सहित विकास की संभावनाओं से जुड़े अन्य विषयों में प्रगति आएगी। एक्सपो में गोविन्दपुरा इंडस्ट्रियल एरिया के अध्यक्ष विजय गौर, सचिव योगेश गोयल, सतना शहर के महापौर एवं ख्यात उद्योगपति योगेश ताम्रकार, सेज ग्रुप के संजीव अग्रवाल, सी.पी. मालपानी, आनंद बांगुर सहित अनेक उद्योगपति, उद्यमी, स्टार्ट-अप के ऑनर उपस्थित थे। कार्यक्रम के अंत में आयोजकों ने मुख्यमंत्री और एक्सपो में पधारे तीन देशों के दलों एवं सभी उद्यमियों का आभार व्यक्त किया।

डाक टिकटों के माध्यम से साकार हो रही भारत की स्वर्णिम गौरव गाथा

रुपेश गुप्ता

भोपाल, देशबन्धु। आजादी के बाद से भारत ने तरक्की के कई नए पायदान तय किए है। डॉक विभाग ने शुक्रवार से शुरु की गई राज्य स्तरीय डॉक टिकट प्रदर्शनी में भारत की स्वर्णिम गौरव गाथा को डॉक टिकटों के माध्यम से साकार किया है। इसमें जहां आजाद भारत के जय हिन्द नाम से जारी सबसे पहला डॉक टिकट तो सबसे अंत में इस वर्ष गत 4 जनवरी को जारी माई स्टेम्प नामक डॉक टिकट मौजूद है। इसके साथ ही इस बीच सिलसिलेवार जारी हुए डाक टिकट भी दृष्टिगोचर हो रहे है, जो नई पीढ़ी के लिए कोतुहल का विषय बने हुए है। यहीं वजह है कि इस प्रदर्शन को लेकर युवा काफी उत्साहित है और वे बड़ी संख्या में डाक टिकटों का दीदार करने पहुंच रहे है। यह प्रदर्शन 23 नवम्बर तक चलेगी

मप्र डाक परिमंडल द्वारा टीटी नगर स्थित समन्वय भवन में आयोजित मप्र राज्य स्तरीय डाक टिकट प्रदर्शनी में डाक विभाग का 78 साल का इतिहास दिख रहा है। प्रदर्शनी में 170 डाक टिकट संग्रहकर्ताओं के कुल 325 फ्रेम प्रदर्शित किए गए है। इन फ्रेमों के माध्यम से डाक टिकट संग्रहकर्ताओं द्वारा विज्ञान के अतिरिक्त भारतीय सेना, स्वतंत्रता पूर्व का भारत, होल्कर एस्टेट, अंतरिक्ष में विज्ञान यात्रा, 1857 से 1947 तक स्वतंत्रता संग्राम, रामायण, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, भारत रत्न अवार्ड, स्वच्छ भारत, मप्र टूरिज़्म, भारतीय रेल आदि के साथ अन्य कई विषयों पर जारी दुर्लभ डाक टिकटों के अलावा पोस्टकार्ड,

अंततरदेशीय, लिफाफे आदि का प्रदर्शन भी किया गया है।

युवाओं में खासा उत्साह

वर्तमान दौर में आधुनिक संचार माध्यम विकसित होने से डाक विभाग के टिकटों के अलावा पोस्टकार्ड, अंर्तदेशीय पत्र और लिफाफे जैसी सामग्री इतिहास ही बन गई है। यही वजह है कि आधुनिक संचार माध्यममों के साथ जीवन यापन कर रहे युवाओं में इस प्रदर्शनी को लेकर खासा उत्साह है और वे यह जानने की कोशिश कर रहे है कि आखिर किस तरह पोस्टकार्ड एक कोरे लिफाफे पर डाक टिकट चस्पा कर देने से उसमें बंद महत्वपूर्ण पत्र सटीक पते पर पहुंच जाता था, ऐसे ही प्रदर्शनी में आए छात्र आंनद दुबे ने बताया कि वे यह जानकार आश्चर्य चकित है कि पुराने समय पर एक निर्धारित समय पर घरों पर होने वाली दस्तक से उसमें वहां रहने वाले लोग यह समझ जाते थे कि डाकिया पत्र लेकर आया है। इसी तरह बच्चां को लेकर प्रदर्शनी देखने पहुंचे होटल व्यवसायी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि उन्होंने घर पर डाकिए द्वारा पत्र लाया जाना देखा है, यहां वे अपने बच्चों को इस तथ्य से रुबरु कराने और समय-समय पर जारी दुर्लभ डाक टिकट को देखने आए है। वहीं एलएनसीटी कालेज की छात्रा वैष्णवी जैन का कहना था कि आज जबकि मोबाइल और इंटरनेट के माध्यम से संदेशों का आदान-प्रदान हो जाता है, ऐसे में वे जानकर आश्चर्य चकित है कि पूर्व के समय में डाक टिकट ही इतने अहम थे।

हमारी विशाल विरासत का दर्पण है यह प्रदर्शनी: सांसद

इस प्रदर्शनी का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद आलोक शर्मा ने किया। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि भारत की विज्ञान यात्रा तथा आत्मनिर्भर भारत विषय पर आयोजित यह डाक टिकट प्रदर्शनी हमारी विशाल विरासत का दर्पण है। यह प्रदर्शनी पिछले 78 वर्षों में भारत में हुई प्रगति की कहानी कह रही है। ऐसी प्रदर्शनियां पुरानी पीढ़ी को नई पीढ़ी से जोड़ने का कार्य करती है। उन्होने श्रीमती रेखा भटनागर द्वारा बनाए गए रेखांकन की प्रशंसा की। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए मप्र डाक परिमंडल के मुख्य पोस्टमास्टर जनरल विनीत माथुर ने कहा कि यह प्रदर्शनी विभिन्न स्कूलों से आए विद्यार्थियों के लिए अत्यधिक ज्ञानवर्धक रहेगी। इस प्रदर्शनी में इतिहास से लेकर आधुनिक तकनीकी विकास को दर्शाया गया है। उन्होने बताया कि प्रदर्शनी में प्रधानमंत्री का सपना आत्मनिर्भर भारत 2047 को ध्यान मे रखकर भी डाक टिकटों का प्रदर्शन किया गया है। इस अवसर पर विधायक भगवान सबनानी, भोपाल की महापौर श्रीमती मालती राय, सतना के महापौर योगेश ताम्रकार, ग्वालियर उच्च न्यायलय के न्यायधीश अनिल वर्मा आदि उपस्थित रहे।

सांस्कृतिक कायक्रम और प्रतियोगिताएं भी

डाक टिकट प्रदर्शनी के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगिताएं भी होंगी, जिसमें विभिन्न स्कूलों से आमंत्रित छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे। इसी कड़ी में पहले दिन शुक्रवार को उमंग वेल्फेयर सोसायटी द्वारा समूह गान सहित सांस्कृतिक कार्यक्रम के आलावा सुधारक स्व. शंकर प्रसाद ताम्रकार पर विशेष विरूपण, इंदौर के फिलाटेलिस्ट ओपी केडिया की पुस्तक का विमोचन भेल के सहायक महाप्रबंधक सुनील सचदेवा द्वारा किया गया।

चिकित्सक ने नर्स से 10 महीने तक किया दुष्कर्म

भोपाल, देशबन्धु। शाहजहांनाबाद स्थित एक नर्सिंग होम में काम करने वाली नर्स ने जूनियर चिकित्सक पर शादी का झांसा देकर लगातार 10 महीनों तक शारीरिक शोषण करने का गंभीर आरोप लगाया है। युवती का कहना है कि चिकित्सक ने पहले उससे दोस्ती की, फिर शादी का भरोसा दिलाकर ईदगाह हिल्स के अपार्टमेंट में उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया। इसके बाद कई स्थानों पर ले जाकर शारीरिक शोषण किया गया। चिकित्सक द्वारा शादी से मना करने पर उसने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

पुलिस के अनुसार, 25 वर्षीय पीड़ित युवती बैरसिया क्षेत्र की रहने वाली है और यहाँ शाहजहांनाबाद इलाके में स्थित एक नर्सिंग होम में नर्स के रूप में कार्यरत थी। इसी दौरान उसकी पहचान वहां काम करने वाले जूनियर चिकित्सक अजय विश्वकर्मा से हुई। करीब दस महीनों तक दोनों के बीच संपर्क बना रहा। इस दौरान चिकित्सक ने युवती को शादी का प्रस्ताव दिया और 3 मार्च 2022 को ईदगाह हिल्स स्थित एक अपार्टमेंट में बुलाकर उसके साथ पहली बार दुष्कर्म किया। इसके बाद वह युवती को कई बार अलग-अलग जगह ले जाकर शारीरिक शोषण करता रहा और हर बार शादी का आश्वासन देता रहा। कुछ समय पहले जब युवती ने चिकित्सक पर शादी के लिए दबाव बनाया, तो उसने इनकार कर दिया। इसके बाद युवती ने गुरुवार को पूरे मामले की शिकायत शाहजहांनाबाद थाने में दर्ज कराई। पुलिस ने शिकायत की जाँच के बाद शुक्रवार को आरोपी चिकित्सक अजय विश्वकर्मा के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि अभी आरोपी की गिरफ्तारी नहीं हो सकी है, उसकी तलाश जारी है, जल्द ही गिरफ्तारी की जाएगी।

शॉपिंग मॉल के ब्यूटी पार्लर में लगी आग से लाखों का सामान हुआ राख

भोपाल, देशबन्धु। कोलार रोड पर कजलीखेड़ा स्थित एक शॉपिंग मॉल के ब्यूटी पार्लर की दुकान में आग लग गई। आग ने पास की जिम को भी अपनी चपेट में ले लिया था। गनीमत रही कि कुछ ही देर में आग पर काबू पा लिया गया। इससे बड़ा हादसा टल गया, क्योंकि शॉपिंग मॉल में 50 से 60 दुकानें हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार कोलार रोड स्थित कजलीखेड़ा के पास आईबीडी हॉल मार्क सिटी के शॉपिंग मॉल के दूसरे माले पर एलाइट ब्यूटी पार्लर है, जिसे प्रशांत कदम की पत्नी संचालित करती हैं। उन्होंने शुक्रवार दोपहर 12 बजे ब्यूटी पार्लर को खोलने के लिए जैसे ही दुकान की शटर ऊपर की तो देखा कि अंदर आग लगी थी। यह देख आसपास के दुकानदार आग बुझाने के लिए दौड़ पड़े। ताकि, कोई बड़ा हादसा न हो। लेकिन ब्यूटी पार्लर में सोफा, कुर्सियां और पर्दे लगे थे। इस वजह से आग तेजी से फैल गई। इस बीच कोलार फायर स्टेशन को सूचना दी गई।

लेकिन जब तक दमकल मौके पर पहुंची, पूरा ब्यूटी पार्लर आग की चपेट में आ गया था। वहीँ जब तक दमकलकर्मियों ने जब तक आग काबू में किया, तब तक पूरा सामान जलकर रख हो चुका था। इनमे यहाँ लगे एयर कंडिशनर, पंखें, ब्यूटी पार्लर में उपयोग की जाने वाली मशीनें भी शामिल थे। प्रारंभिक जांच में आग से लाखों रुपए का नुकसान होना सामने आया है।

जिम भी चपेट में आई

शॉपिंग मॉल में ही एक दुकान के संचालक अभय राज सिंह परिहार ने बताया कि ब्यूटी पार्लर के पास में ही जिम भी है। आग की लपटें वहां तक पहुंच गई। लिहाजा दमकल की मदद से यहां की आग भी बुझाई गई। उल्लेखनीय हे कि आईबीडी इम्पोरिया सिटी मॉल 6 मंजिल का है। इसमें 50 से 60 दुकानें हैं। इसके चलते यहां ब्यूटी पार्लर में आग लगने के बाद हड़कंप की स्थिति बन गई थी।

किराए के मकान से बेची जा रही थी अवैध शराब

मकान मालिक से मांगी जानकारी

भोपाल, देशबन्धु। शाहपुरा इलाके की एक पॉश कॉलोनी से तस्कर द्वारा किराये के मकान से अवैध शराब बेची जा रही थी, जिसका सुराग मिलते ही आबकारी विभाग ने छापामार कार्रवाई करते हुए अवैध शराब बरामद की है। हालांकि शराब तस्कर हत्थे नहीं चढ़ा। लेकिन उसकी पहचान कर ली गई है और तलाश की जा रही है। वही मकान मालिक से उसके बारे में जानकारी मांगी गई है। यदि मकान मालिक ने समय पर जानकारी नहीं दी तो उसको भी तस्करी में शामिल होना माना जाएगा।

जिला आबकारी नियंत्रक रामगोपाल भदौरिया के मुताबित मुखबिर से सूचना मिलने के बाद गुरुवार रात को बावड़ियाकलां स्थित आकृति रिट्रीट कालोनी परिसर के एक मकान में दबिश दी। यहां से करीब 36 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की गई है, जो कि तस्कर द्वारा संग्रहित कर अवैध रूप से रखी गई थी। टीम ने तस्कर के बारे पूछताछ की तो पता चला कि भगवंत मीणा द्वारा यह मकान करीब एक साल पहले किराये पर लिया गया था। उसने मकान के अंदर बड़ी मात्रा में अंग्रेजी शराब का भंडारण कर रखा था। इसके बाद आरोपी के खिलाफ आबकारी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया कर उसकी तलाश की जा रही है। वही मकान मालिक से उसके बारे में जानकारी मांगी गई है। इसके तहत किरायानामा, पुलिस सत्यापन आदि का विवरण मांगा है। यदि वह समय पर उपलब्ध नहीं करवा पाए तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई की जाएगी। उल्लेखनीय हे कि बुधवार को भी आबकारी टीम ने आकृति रिट्रीट कॉलोनी से एक कार जब्त करते हुए 34 कार्टन अंग्रेजी शराब बरामद की थी, जिसकी कीमत करीब साढ़े तीन लाख रुपये आंकी गई थी।

दबंगों की बर्बरता

दोस्त का समझौता करवाने गए युवक को बंधक बनाया, निर्वस्त्र कर पीटा

भोपाल, देशबन्धु। रुपयों के विवाद को लेकर बदमाशों से दोस्त का समझौता करवाना एक युवक को भारी पड़ गया। बातचीत के दौरान जब दोनों पक्षों में विवाद हुआ तो दोस्त वहां भाग निकला और बदमाशों ने युवक को पकड़कर बंधक बना लिया। साथ ही उसे भानपुर क्षेत्र स्थित एक कमरे में ले जाकर निर्वस्त्र कर बेरहमी से पीटा। युवक से की गई अमानवीयता की यह वारदात चार महीने पुरानी है। वहीं जब पिछले दिनों घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ तो छोला थाना पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेकर आरोपितों के विरूद्ध केस दर्ज किया। पुलिस ने अब तक दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। साथ ही पीड़ित और अन्य आरोपितों की तलाश जारी है।

एसआइ एमडी अहिरवार ने बताया कि सचिन नामक युवक शाहजहांनाबाद क्षेत्र में रहता है। छोला क्षेत्र स्थित समता कालोनी निवासी 19 वर्षीय अमन मिर्जा उर्फ अमन बाबा और 24 वर्षीय मोहम्मद जैद से उसका रुपयों को लेकर कुछ विवाद था। 27 जुलाई को समझौता करने को लेकर दोनों पक्षों के बीच बातचीत हो रही थी। इसी दौरान विवाद बढ़ने पर सचिन मौके से भाग निकला और उसके साथ मौजूद दोस्त को बदमाशों ने पकड़ लिया। वे बंधक बनाकर उसे एक कमरे में ले गए। यहां उसे निर्वस्त्र कर बदमाशों ने बेल्टों से पीटा। साथ ही उन्होंने बाद में पीड़ित को ब्लैकमेल करने के लिए उसका भी बनाया। वीडियो में वे साफ तौर पर बेरहमी से मारपीट करते दिखाई दिए हैं। पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर एक अज्ञात युवक को कमरे में बंद करके पिटाई की थी। उन्होंने यह भी दावा किया कि पीड़ित युवक को वे पहचानते नहीं हैं।

गंदगी व ठोस अपशिष्ट फैलाने वालों से वसूला 80 हजार रुपए जुर्माना

भोपाल, देशबन्धु। नगर निगम द्वारा गंदगी फैलाकर निगम की साफ-सफाई व्यवस्था में व्यवधान उत्पन्न करने, सड़कों एवं सार्वजनिक एवं खुले स्थानों पर भवन निर्माण सामग्री एवं सी.एण्ड.डी वेस्ट फैलाकर वायु को प्रदूषित करने वालों के विरूद्ध सख्त कार्यवाही भी की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अमले ने समस्त जोन क्षेत्रों में कार्यवाही करते हुए सड़कों व सार्वजनिक स्थलों फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 199 प्रकरणों 62 हजार 700 रूपये की राशि वसूल की, जबकि ठोस अपशिष्ट फैलाने वालों के विरूद्ध 12 प्रकरणों में 17 हजार 950 रुपये की राशि जुर्माने के रूप में वसूल करने की कार्यवाही की।

निगम के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए जोन क्र. 1 में 5 प्रकरणों में 500 रूपये, जोन 02 में 5 प्रकरणों में 3 हजार रूपये, जोन 3 में 5 प्रकरणों में 500 रूपये, जोन 4 में 7 प्रकरणों में 1 हजार 500 रूपये, जोन 5 में 7 प्रकरणों में 3 हजार रूपये, जोन 6 में 2 प्रकरणों में 15 हजार रूपये, जोन 7 में 15 प्रकरणों में 1 हजार 500 रूपये, जोन 8 में 7 प्रकरणों में 2 हजार 500 रूपये, जोन 9 में 22 प्रकरण में 1 हजार 300 रूपये, जोन 10 में 14 प्रकरणों में 6 हजार 300 रूपये, जोन 11 में 8 प्रकरणों में 800 रूपये, जोन 13 में 13 प्रकरणों 1 हजार 300 रूपये, जोन 14 में 22 प्रकरणों 9 हजार 100 रूपये, जोन 15 में 17 प्रकरणों में 2 हजार 500 रूपये, जोन 16 में 22 प्रकरणों में 3 हजार 100 रूपये, जोन 17 में 1 प्रकरण में 200 रूपये, जोन 18 में 10 प्रकरणों 1 हजार रूपये, जोन 20 में 16 प्रकरणों में 2 हजार 500 रूपये तथा जोन 21 में 11 प्रकरणों 7 हजार 100 रूपये की राशि वसूल की। इस प्रकार गंदगी फैलाने वालों के विरूद्ध 199 प्रकरणों 62 हजार 700 रूपये की राशि /जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम के अमले ने सड़कों, सार्वजनिक स्थलों पर सी.एंड.डी वेस्ट फेंकने वालों के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए जोन क्र. 2 में 2 प्रकरण में 2 हजार 250 रूपये, जोन 5 में 2 प्रकरण में 1 हजार 500 रूपये, जोन10 में 1 प्रकरण में 2 हजार रूपये, जोन 14 में 2 प्रकरण में 4 हजार रूपये, जोन 16 में 1 प्रकरण में 1 हजार रूपये, जोन 17 में 1 प्रकरण में 200 रूपये, जोन 20 में 1 प्रकरण में 1 हजार रूपये तथा जोन 15 में 2 प्रकरण 6 हजार रूपये की राशि वसूल की। इस प्रकार कुल 12 प्रकरणों में 17 हजार 950 रुपये की राशि वसूल की।

गिन्नौरी इलाके से 20 लाख की अवैध शराब जब्त

गिन्नौरी इलाके में शुक्रवार को आबकारी अमले ने एक मकान में छापा मारा। यहां से 20 लाख 60 हजार रुपए कीमत की अवैध शराब जब्त की गई। 25 से अधिक अधिकारी और कर्मचारियों की टीम ने यह कार्रवाई की। आबकारी विभाग के सहायक आबकारी आयुक्त वीरेंद्र धाकड़ ने बताया कि गिन्नौरी मोहल्ला में मस्जिद के सामने से राहुल यादव के रहवासी मकान से हाई ब्रांड विदेशी मदिरा की कुल 98 पेटियां जब्त की है। यहां पर लंबे समय से अवैध शराब का कारोबार किया जा रहा था। इसलिए नजर रखी जा रही थी। जैसे ही मुखबिर से पुख्ता जानकारी मिली, टीम ने एकसाथ जाकर दबिश दे दी। जब्त शराब की कुल कीमत 20 लाख 60 हजार रुपए आंकी गई है। मौके से एक महिला को पकड़ा, जो राहुल की मां है। उसके विरुद्ध मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण कायम कर जांच शुरू की है। आरोपी महिला के बेटे राहुल के विरुद्ध पूर्व में केस दर्ज किया जा चुका है। उसे भी पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है।

ट्रेड यूनियनों का संयुक्त मोर्चा ने कहा

श्रम कानूनों को लागू करना मेहनतकश अवाम के साथ धोखा

भोपाल, देशबन्धु। ट्रेड यूनियनों के राष्ट्रीय संयुक्त मोर्चा ने केंद्र सरकार द्वारा श्रम कानूनों को एकतरफ़ा लागू करने की कड़ी निंदा की है। संयुक्त मंच ने साफ़ शब्दों में इसे देश के मेहनतकश लोगों के साथ केंद्र सरकार की धोखाधड़ी बताया। मोर्चा का कहना है कि आज लागू यह लागू सभी लोकतांत्रिक मूल्यों के ख़िलाफ़ है और केंद्र सरकार अपने ओधोगिक मित्रों के साथ मिलकर देश को गुलामी के शोषण वाले दौर में वापस ले जाने की कोशिश कर रही है।

मोर्चा ने कहा कि केंद्र की केंद्र सरकार मौजूदा 29 केन्द्रीय श्रम कानूनों को रद्द कर इन चार श्रम संहिताओं को देश की 10 केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों तथा केंद्र, राज्य, बैंक, बीमा, बीएसएनएल, रक्षा, रेल, आदि में कार्यरत औद्योगिक महासंघों के विरोध के बावजूद लागू कर रही है, जो पूरी तरह से गैर लोकतान्त्रिक कदम है। विज्ञप्ति में बताया गया कि 8 जनवरी 2020 को इन्ही श्रम संहिताओं के खिलाफ हुई राष्ट्रव्यापी हड़ताल और उसके बाद 26 नवम्बर 2000 की हड़ताल की गयी जिसके साथ ही संयुक्त किसान मोर्चा के ऐतिहासिक दिल्ली चलो का भी आयोजन किया गया। तत्पश्चात 28-29 मार्च 2022, 16 फरवरी 2024 की हड़ताल और हाल में 9 जुलाई 2025 की हड़ताल में 25 करोड़ श्रमिकों ने भागीदारी की और चार श्रम संहिताओं को रद्द करने की मांग की थी। इसके बाबजूद केन्द्रीय श्रमिक संगठनों के विरोध व श्रमिकों की हड़ताल को धता-बताकर केंद्र सरकार ने मालिकों के प्रतिनिधियों तथा भारतीय मजदूर संघ जैसे सरकार के समर्थकों की मांगों को पूरा करने के लिए श्रम संहिताओं को लागू कर दिया है। मोर्चा ने सबसे तीखे और सबसे एकजुट विरोध के साथ सामना करने की घोषणा की है।

मोर्चा ने भारत के मेहनतकश जनता से अपील की है कि वे 26 नवंबर को किसानों के साथ मिलकर, समूचे देश में श्रम संहिताओं को रद्द करने तथा श्रम शक्ति नीति 2025 के प्रारूप को वापस लेने की मांग पर संयुक्त विरोध कार्रवाई करें। इसके साथ काले बैज पहनकर विरोध तथा सोमवार से द्वार, नुक्कड़और बस्तियों में बैठक करने का भी आह्वान किया गया है। साथ ही 26 नवंबर को समूचे प्रदेश में सभी जगह संयुक्त किसान मोर्चा के साथ जंगी प्रदर्शन व अन्य कार्रवाइयाँ की जाए।

जीनियस प्लेनेट स्कूल में अन्वेषण एग्जिबिशन का भव्य आयोजन

इटारसी, देशबन्धु। जीनियस प्लेनेट स्कूल में 22 नवंबर शनिवार को एक वृहद और ज्ञानवर्धक 'अन्वेषण एग्जिबिशन' का आयोजन किया जा रहा है। यह प्रदर्शनी सुबह 10:30 बजे से 2:30 बजे तक स्कूल प्रांगण में खुली रहेगी।

इस एग्जिबिशन में स्कूल के छात्रों द्वारा साइंस, सोशल साइंस, मैथ्स, इंग्लिश और हिंदी जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित रचनात्मक और अभिनव प्रोजेक्ट्स और मॉडल्स प्रदर्शित किए जाएंगे। इस प्रदर्शनी का मुख्य उद्देश्य छात्रों में वैज्ञानिक सोच, सामाजिक समझ और गणितीय कौशल को बढ़ावा देना है। साथ ही, खेल से संबंधित मॉडल भी शामिल किए जाएंगे जो शारीरिक शिक्षा के महत्व को दर्शाएंगे। स्कूल प्रबंधन ने सभी रचनात्मक मस्तिष्क और कला प्रेमियों को इस प्रदर्शनी में शामिल होने के लिए सादर आमंत्रित किया है। यह छात्रों के प्रयास और प्रतिभा को देखने का एक शानदार अवसर है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, इटारसी

क्र. / स्वास्थ्य शाखा/2025/1676 इटारसी, दिनांक 21.11.2025

ऑनलाईन निविदा सूचना

निम्नलिखित कार्य हेतु पंजीकृत ठेकेदारों से ऑनलाईन ई निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा का विस्तृत विवरण बेवसाईट https:\\gem.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	बिड नं.	सामग्री का नाम	सामग्री की लागत	धरोहर राशि	निविदा की अंतिम तिथि
1	GEM/2025/B /6894589	Agricultural Trailer Complying To AIS 112 (Q2) (कचरा संग्रहण हेतु ट्राली क्रय कार्य)	4,80,000/-	14,500/-	01.12.2025 सायं 05.00 बजे

नोट - निविदा से संबंधित किसी भी प्रकार के संशोधन का प्रकाशन ऑनलाईन https:\\gem.gov.in की बेवसाईट पर ही किया जावेगा। पृथक से समाचार पत्र में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद इटारसी

अभिमत

सच्चिदानंद जी की करीब दो दर्जन से ज्यादा किताबें हैं। वे हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखते थे। इन सभी का संग्रह राजकमल से प्रकाशित सच्चिदानंद सिन्हा रचनावली में हुआ है, जो 8 खंडों में है। इसमें अंग्रेजी से अनूदित किताबें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सच्चिदा जी का योगदान विचार निर्माण और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में सदैव ही याद किया जाएगा।

दे

सिर्फ संत नहीं, विचार के लिए समर्पित थे

नवाचार

■ बाबा मायाराम

श के प्रख्यात समाजवादी विचारक सच्चिदानंद सिन्हा का दो दिन पहले 19 नवंबर को निधन हो गया। वे 97 वर्ष के थे। उनका जाना एक बड़ी क्षति है। विशेषकर, उन सामाजिक कार्यकर्ताओं व लोगों के लिए जो विकल्प की खोज में हैं। उन्होंने अपना जीवन समाजवादी विचार निर्माण, लेखन और युवाओं के प्रशिक्षण के लिए समर्पित किया। वैकल्पिक दिशा देने में उनका योगदान अमूल्य है और वह सदैव ही याद किया जाता रहेगा।

मेरा उनसे परिचय 80 के दशक से था। इस दौरान कई बार उनसे मिलने और उन्हें सुनने का सौभाग्य मिला है। उनके साथ यात्रा की हैं, कुछ समय साथ गुजारा है। उनकी किताबें पढ़ीं हैं। वे एक ऐसे मौलिक विचारक थे, जिन्होंने न केवल देश-दुनिया के बारे में सोचा, विचारा और लिखा है, बल्कि आदर्शवादी जीवन भी जिया है।

बिहार के मुजफ्फरपुर जिले में उनका जन्म 30 अगस्त 1928 को हुआ। वे छात्र जीवन से ही समाजवादी विचारों की ओर आकृष्ट हो गए थे। महाविद्यालयीन पढ़ाई बीच में ही छोड़कर राजनैतिक कार्यकर्ता बन गए। बम्बई चले गए और वहां मजदूर आंदोलन से जुड़े। उन्होंने मजदूरों की तरह जीवन भी जिया। बम्बई में कई तरह के काम किए, मजदूरी की और रेलवे में खलासी और क्लर्क का काम किया। यहां उनका कई महत्वपूर्ण हस्तियों से परिचय हुआ, साथ मिला। उन्होंने डा. आंबेडकर के चुनाव में जिम्मेदारी भी निभाई।

सच्चिदा जी (सच्चिदानंद सिन्हा) को इसके बाद डॉ.राममनोहर लोहिया ने बुलाया और उनकी पत्रिका मैनकाइंड के संपादक मंडल से जोड़ लिया। इसके बाद सच्चिदा जी कुछ समय मुजफ्फरपुर के पास मणिका गांव में रहे। पारिवारिक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया और फिर दिल्ली चले गए। दिल्ली में करीब 18 साल रहे।

दिल्ली में उसी दौरान जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में पढ़ने वाले कुछ युवा भी संपर्क में आए। यह सभी युवा, समाजवादी चिंतक किशन पटनायक व समाजवादी विचारों से जुड़े थे। उनमें से एक सुनील भाई भी थे, जिनके साथ मैंने लम्बे समय तक काम किया है। सुनील भाई ने मध्यप्रदेश के होशंगाबाद (नर्मदापुरम) जिले में आदिवासियों के बीच काम किया था।

इन दिनों मैं बरगढ़ ओडिशा में हूं, जहां लिंगराज भाई का निवास है। वे किसानों के नेता हैं। और लम्बे समय से पूरावक्ती सामाजिक कार्यकर्ता हैं। वे भी उन दिनों जेएनयू में अध्ययनरत थे। 20 नवंबर को किशन पटनायक की याद में बने समता भवन में सच्चिदानंद सिन्हा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस मौके पर लिंगराज भाई ने बताया कि सच्चिदा जी ने अपना पूरा जीवन सार्थक ढंग से जिया।

उन्होंने याद करते हुए कहा कि वे 80 के दशक को याद करते हुए बताते हैं कि दिल्ली में किराये के घर में रहते थे। यह बहुत मामूली घर था, जो छत पर था। सच्चिदा जी के पास कोई सामान नहीं था, स्टोव था, और कुछ बर्तन। स्टोव, मिट्टी तेल से जलता था। उसमें वे खाना पकाते थे। यहां वे बहुत ही सादगी से रहते थे।

वे आगे बताते हैं कि उनका एक ही काम हुआ करता था, पुस्तकालय जाना और पढ़ना और लिखना। इस दौरान उन्होंने कई किताबें लिखीं। वे ऐसे लेखक हैं, जो कई विषयों पर साधिकार लिखते हैं। शायद वे ऐसे अकेले ही ऐसे व्यक्ति होंगे जो इतने विविध विषयों के जानकार हों, उनके विद्वान हों। उनकी करीब दो दर्जन से ज्यादा किताबें हैं। वे हिन्दी व अंग्रेजी दोनों भाषाओं में लिखते थे। इन सभी का संग्रह राजकमल से प्रकाशित सच्चिदानंद सिन्हा रचनावली में हुआ है, जो 8 खंडों में है। इसमें अंग्रेजी से अनूदित किताबें भी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सच्चिदा जी का योगदान विचार निर्माण और कार्यकर्ताओं के प्रशिक्षण में सदैव ही याद किया जाएगा।

लिंगराज भाई ने कहा सच्चिदा जी शारीरिक और मानसिक रूप से अंत तक सक्रिय रहे। देश-दुनिया की समस्याओं से जूझते रहे और वैकल्पिक दृष्टि से उनका विश्लेषण करते रहे। कुछ दिनों पहले ही उन्होंने सच्चिदा जी से मिलने के लिए मनिका गांव जाने की बात बताई थी, लेकिन अब यह संभव नहीं है।

सच्चिदा जी से मेरा परिचय सुनील भाई ने करवाया था। वे सच्चिदा जी से मिलने उनके गांव मणिका जाया करते थे। वहां से लौटकर सुनील भाई हमें सच्चिदा जी के बारे में बताया करते थे। वहां उन्होंने बहुत से पेड़-पौधे लगाए थे। हैंडपंप से पानी खींचकर खुद उनमें पानी देते थे। बौद्धिक कामों के साथ शारीरिक श्रम को भी वे महत्व देते थे। जैसा कि गांधीजी की सोच भी थी। गांधी की तो नई तालीम की सोच उत्पादक कामों से साथ शिक्षा देने से जुड़ी थी।

जब भी सच्चिदा जी मध्यप्रदेश इटारसी के पास केसला आते थे, तब मैं उनसे मिलने जाता था। 90 के दशक में मैंने केसला में ही पूरावक्ती कार्यकर्ता के तौर पर काम किया था, तब भी उनसे मिलना हुआ था। उसके बाद तो कई बार मिला। कार्यकर्ता शिविर और कार्यक्रमों में उनकी मौजूदगी गरिमामय होती थी। वे कार्यकर्ताओं के सवालों के जवाब देते थे। उनकी शंकाओं व दुविधाओं का समाधान करते थे।

सच्चिदा जी की विद्वता, गहन अध्ययन और चिंतन की तो कोई सानी नहीं है। पर उनका जीवन भी उतना ही सरल, आदर्श से परिपूर्ण, ईमानदार और प्रतिबद्ध था। उनके विचार व जीवन में कोई भेद नहीं था। सादगीपूर्ण व कम से कम दैनंदिन जरूरतें और दूसरों की चिंता करना उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। सरल, शांत और निश्चल मुस्कान ही उनकी पहचान थी।

बरसों पहले एक कार्यक्रम के दौरान उन्होंने बताया था कि उन्होंने घर की बिजली कटवा दी है। इसका कारण उन्होंने बताया कि आमतौर पर बिजली देर रात को रहती है, वह उनके सोने का समय होता है। यानी बिजली के की उस समय जरूरत नहीं होती। वे उनका काम दिन में ही कर लेते थे। वे सालों तक फोन का भी इस्तेमाल नहीं करते थे।

सच्चिदा जी एक पुस्तक उपभोक्तावादी संस्कृति पर है। वे कहते थे यह संस्कृति चीजों की अंतहीन भूख जगाती है, वह नशे की तरह है। मनुष्य का जीवन भोग के लिए नहीं, विचार के लिए है। इसके अलावा, महानगरीय जीवन में एक और किताब है- जिंदगी सभ्यता के हाशिये पर, यह महानगरीय जीवन की समस्याओं की पड़ताल करती है।

सच्चिदा जी ने मौजूदा व्यवस्था को विषमता व आपस में कटुता बढ़ाने वाली बताया। वे मानते थे कि बुनियादी तौर पर सभी आदमी बराबर हैं, इसलिए समता, बराबरी का समाज होना चाहिए। मनुष्य का स्वार्थ भी एक है, इसलिए सबको मिलकर, मतभेद भुलाकर बेहतर दुनिया को बनाने के लिए प्रयास करना चाहिए।

वे गांधी, जेपी, लोहिया की परंपरा के वाहक थे। 20 वीं और 21 वीं सदी के पुल थे। आजादी के आंदोलन से लेकर मौजूदा समय का इतिहास उनकी आंखों में पढ़ा जा सकता था। उनमें आर-पार देखने की दूरदृष्टि थी। धारा को मोड़ने व सोचने का माद्दा था। देश-दुनिया को देखने का वैकल्पिक नजरिया था। उनकी सोच में समाजवाद का एक देशज रूप था। एक गहरा आत्मविश्वास था, दुनिया को बदलने का।

वे कहते थे दुनिया को गांधी की ओर लौटना होगा। वे गांधी का प्रसिद्ध कथन याद करते थे कि इस धरती पर सबकी जरूरतों को पूरा करने के लिए पर्याप्त है, लेकिन किसी के लालच के लिए नहीं। जो आज भी प्रासंगिक है। बहरहाल, सच्चिदानंद सिन्हा के विचार व जीवन दोनों की प्रेरणादायी हैं। क्या हम उनसे कुछ सीखना चाहेंगे?

सच्चिदा जी की विद्वता, गहन अध्ययन और चिंतन की तो कोई सानी नहीं है। पर उनका जीवन भी उतना ही सरल, आदर्श से परिपूर्ण, ईमानदार और प्रतिबद्ध था। उनके विचार व जीवन में कोई भेद नहीं था। सादगीपूर्ण व कम से कम दैनंदिन जरूरतें और दूसरों की चिंता करना उनके व्यक्तित्व का हिस्सा था। सरल, शांत और निश्चल मुस्कान ही उनकी पहचान थी।

बीता सप्ताह

15 नवम्बर

- बिहार विधानसभा में एनडीए की बंपरजीत हुई। 243 में 202 सीटों पर एडीए को बढ़ मिली। इंडिया गठबंधन को 35 सीटें मिली।
- दिल्ली लालकिले के धमाके का आरोपी उमर नबी का घर बम से उड़ाया गया।
- विदेश मंत्री जयशंकर ने यूएन महासचिव एंटोनियों गुटेरस से मुलाकात की।
- फिलीपींस में कालेसेगी तूफान से 232 लोगों की मौत हो गई।

16 नवम्बर

- जम्मू कश्मीर के नौगाम पुलिस थाने में भारी विस्फोट से नौ लोगों की मौत हो गई।
- कोलकाता हाईकोर्ट ने एक सुनवाई में स्पष्ट किया कि नाबालिग भी कर सकते हैं अग्रिम जमानत के लिए आवेदन।
- बिहार में राजद की हार के बाद लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजनीति से संन्यास ले लिया।
- बिहार चुनाव नतीजों के बाद एडीआर की रिपोर्ट के मुताबिक 130 अपराध करने वाले विधायक ओर चुके गए 218 विधायक करोड़पति हैं।

17 नवम्बर

- दिल्ली विस्फोट मामले में एनआईए ने आतंकी उमर दल नबी के साथी आमिर राशिद अली को गिरफ्तार कर लिया।
- अटाटी वाधा बगर्डर रिट्रीट सेटेमनी के समय में बदलाव किया गया। अब शाम 4.30 से 5 बजे तक।
- आरक्षण पर सीजेआई बीआर गवई ने कहा कि अनुसूचित जाति में भी लागू होना चाहिए क्रीमी लेयर।
- धनुष श्रीकांत ने टोक्यो में चल रहे 25वें ग्रीष्मकालीन डेफलंपिक्स में 10 मीटर एयर राइफल में स्वर्ण पदक जीता।

18 नवम्बर

- सउदी अरब मक्का-मदीना जा रही बस सड़क हादसे में 45 भारतीयों की मौत हो गई।
- बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना को अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण ने मौत की सजा सुनाई।
- छग बिलासपुर हाईकोर्ट के महाधिवक्ता प्रफुल्ल एन भारत ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया।
- दुनियाभर में भारतीय मिशनों ने मनाया इंटरनेशनल गीता दिवस 2025

19 नवम्बर

- छग-आंध्र बार्डर पर नक्सलियों और सुरक्षा बलों के बीच हुए मुठभेड़ में कुख्यात नक्सल कमांडर माड़वी हिड़मा अपनी पत्नी सहित मारा गया।
- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जल संरक्षण में उल्लेखनीय कार्य के लिए पूरे देश में अववल रायपुर को सम्मानित किया।
- छग सरकार ने 200 यूनिट तक बिजली बिल हाफ सुविधा फिर शुरू की।
- लगातार 11वें वर्ष चीन बना दुनिया का सबसे बड़ा कूरियर बाजार।

20 नवम्बर

- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू छत्तीसगढ़ के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस में शामिल हुई।
- पीएम सम्माननिधि की 21वीं किश्त तमिलनाडु के कोयंबटूर में दक्षिण भारत प्राकृतिक खेती शिखर सम्मेलन कार्यक्रम में पीएम मोदी ने जारी किया।
- भारत ने रूस में दो नए महावाणिज्य दूतावास खोले। विदेशमंत्री एस जयशंकर ने रूस के येकाते रिनबर्ग और कजान में इन दूतावासों का उदघाटन किया।
- बिहार में नितिश कुमार 10वीं बार मुख्य मंत्री बने। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान ने नितिश कुमार को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

21 नवम्बर

- राष्ट्रपति द्रौपद मुर्मू ने छग के अंबिकापुर में जनजातीय गौरव दिवस पर कहा कि आदिवासी संस्कृति को जीवित रखना बहुत जरूरी है।
- सुप्रीमकोर्ट ने कहा कि राज्यपाल विधानसभा से पास विधेयकों को न लटकाएं।
- पं. बंगाल मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी के कहा कि एसआईआर खतरनाक और अमानवीय है।
- वित्तीय धोखाधड़ी रोकने अब सरकार ईडी के सयन पर क्येआर कोड जारी करेगी।

बिहार चुनावः सवाल तो जीतने वालों पर भी हैं

■ अरुण कुमार त्रिपाठी

बिहार चुनाव पर देश क्या, पूरी दुनिया की निगाहें टिकी थीं। जिनकी भी लोकतंत्र में आस्था है उन्हें यह आशा थी कि बिहार भारत में लोकतंत्र के हरण के धारावाहिक सिलसिले को पलट देगा और फिर शुरू होगा पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु और केरल से होते हुए उत्तरप्रदेश तक में अन्याय, झूठ और अत्याचार को उखाड़ फेंकने का चक्र, जो आखिर में केंद्रीय सत्ता के परिवर्तन तक जाएगा। लेकिन बिहार में 'महागठबंधन' की भारी पराजय और 'राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन' की प्रचंड विजय के उपरांत पैदा हुई लोकतांत्रिक शक्तियों की निराशा देखकर सूर्यकांत त्रिपाठी निराला की प्रसिद्ध कविता 'राम की शक्ति पूजा' का स्मरण हो गया।

वही कविता जो 1936 में तब लिखी गई थी, जब भारतीय स्वतंत्रता संग्राम आशा और निराशा के संमुदर में गोता खा रहा था। महात्मा गांधी को समझ नहीं आ रहा था कि अंग्रेजों से किस प्रकार लड़ा जाए कि जल्दी आजादी मिल जाए। अंग्रेज निरंतर भारत को विभाजित कर रहे थे और गांधी के समक्ष एक ओर मोहम्मद अली जिन्ना की चुनौती थी तो दूसरी ओर सावरकर और तीसरी ओर भीमराव अंबेडकर की।

> **पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था।**

निराला की कविता में जो निराशा छलकती है उसमें हम इस युग की निराशा के अंश देख सकते हैं। निश्चित तौर पर इस पराजय के बाद हमने 'इंडिया समूह' के नेताओं को रोते हुए नहीं देखा, लेकिन वे उसी प्रकार रो रहे होंगे जैसे रावण से पराजित होकर रण से लौटे राम के नेत्रों से आंसू गिर रहे थे। निराला की कविता में आज की लोकतांत्रिक और अधिनायकवादी शक्तियों के संघर्ष को हम देख सकते हैं।

पराजय का सिलसिला और उससे उपजी निराशा इतनी गहरी है कि वे तमाम लोग भी इस विजय को वैधानिक और नैतिक मान रहे हैं जो न सिर्फ दिन-रात लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की बात करते हैं, बल्कि उसके लिए सड़क से न्यायालय तक सक्रिय भी रहते हैं। ऐसे व्याख्याकारों की लंबी कतार है जो साफ कह रहे हैं कि महिलाओं, अति पिछड़ों और सवर्ण मतों का बड़ा हिस्सा राजग के पक्ष में एकजुट था। नीतीश कुमार के सामाजिक न्याय के कंधे पर हिंदुत्व ने सवारी कर रखी थी इसलिए इसे जीतना ही था।

राहुल गांधी विदेश चले गए, 'एसआईआर' पर शुरू में यात्रा की, लेकिन बाद में उसे मुद्दा नहीं बना पाए, उतनी मेहनत नहीं कर पाए जितनी 'एनडीए' के नेताओं ने की, टिकट ठीक से नहीं बांटा, तेजस्वी को मुख्यमंत्री पहले नहीं घोषित किया, जंगल राज का खौफ वगैरह-वगैरह। मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना ने चमत्कार किया और बड़ी संख्या में महिलाओं ने पुरुषों से अलग होकर वोट दिया।

जब ऐसी योजनाएं महाराष्ट्र, मध्यप्रदेश में काम कर सकती हैं तो बिहार में क्यों नहीं। फिर ऐसी योजनाओं का हथकंडा तृणमूल कांग्रेस और झारखंड मुक्ति मोर्चा अपनाता है तो जनता दल (एकी) के अपनाने में क्या दिक्कत है। नीतीश कुमार को जनता ने शानदार विदाई दी और आपरेशन सिंदूर से लेकर दूसरे मोर्चों तक प्रकट भाजपा और संघ के राष्ट्रवाद की काट न तो जाति जनगणना से की जा सकती है और न ही नौकरियां देने के खोखले वादे से।

इन तमाम तर्कों ने पूर्व निर्धारित इस प्रचंड जीत को सही साबित करना और विपक्ष और उसके नेताओं को नकारा बताना शुरू कर दिया है। इस प्रक्रिया में उस हिंसक और निम्नस्तरीय भाषा की अनदेखी की जा रही है जिसका प्रयोग चुनाव के दौरान प्रधानमंत्री, गृहमंत्री और उनके केंद्रीय मंत्रियों ने किया। इस बात की भी अनदेखी की जा रही है कि बीच चुनाव में महिला रोजगार योजना की राशि खाते में दिया जाना 'आदर्श आचार संहिता' का स्पष्ट उल्लंघन है।

इस बात की भी उपेक्षा हो रही है कि इस दौरान अपराधियों ने किस प्रकार चुनाव को न सिर्फ प्रभावित किया, बल्कि चुनाव में विजय भी हासिल की। इस बात पर भी ध्यान नहीं दिया जा रहा है कि महिलाओं के खाते में दस हजार की राशि स्थानांतरित करने के अलावा धनबल और सरकारी बल का अनौपचारिक रूप से कितना प्रचंड प्रयोग हुआ।

इस बीच 'एसआईआर' के मुद्दे के प्रभावहीन होने का भी सारा दोष विपक्ष पर ही मढ़ा जा रहा है। न तो उस प्रक्रिया में काटे गए और जोड़े गए नामों पर चर्चा हो रही है और न ही इस बात पर चर्चा हो रही है कि चुनाव आयोग किस प्रकार निरंतर पारदर्शिता से दूर चुनावों को सत्तारूढ़ दलों के जश्न और विपक्ष के शोक का आयोजन बनाता जा रहा है। असल में बिहार के इन चुनाव परिणामों ने एक बात को प्रमाणित कर दिया है कि भारतीय लोकतंत्र में न सिर्फ संस्थाएं भ्रष्ट और अनैतिक हुई हैं, बल्कि समाज भी अनैतिक और भ्रष्ट हुआ है।

बड़े दुख के साथ कहना पड़ रहा है कि नीतीश कुमार ने स्त्रियों के सबलीकरण के बहाने स्त्रियों को भी मरते हुए लोकतंत्र के प्रति संवेदनहीन बना दिया है। अगर महिलाओं को राष्ट्रीय स्तर पर छीने जा रहे संवैधानिक अधिकारों की पीड़ा नहीं दिखती और खाते में आई हुई रकम से वोट को बेच देने की सौदेबाजी ज्यादा ठीक महसूस होती है तो फिर मान लेना चाहिए कि नीतीश कुमार ने अपनी सत्ता के लिए समाजवाद, सामाजिक न्याय और नारी सशक्तिकरण को पूंजीवाद और हिंदुत्व की चेरी बना दिया है।

बिहार से लोकतंत्र की वापसी की आशा वे लोग लगाए हुए थे जिनके मन-मानस में यह स्मृति है कि बिहार अन्याय के विरुद्ध क्रांति की भूमि है। वे जिनके अवचेतन में कहीं बुद्ध बसे हैं, कहीं महावीर तो कहीं वैशाली और लिच्छिवियों का गणतंत्र है। जो यकीन करते हैं कि यही वह धरती है जहां से वीर कुंवर सिंह अंग्रेजों की गुलामी खत्म करने निकले थे। जहां बिरसा मुंडा और सीधू कान्हूं ने उलगुलान किया था। जहां पीतांबर और नीलांबर ने सत्तावन में क्रांति का बिगुल बजाया था।

जहां महात्मा गांधी ने चंपारण सत्याग्रह शुरू किया और जहां जयप्रकाश नारायण पैदा हुए जिसके बारे में दिनकर ने लिखा था कि जिसके चरण चिह्न इतिहास अपने उर पर अंकित कर लेता है। वही जयप्रकाश जिन्होंने लोकतंत्र को नया रूप देने के लिए 1974 में 'संपूर्ण क्रांति' का आह्वान किया। वहीं जहां बाबू राजेंद्र प्रसाद जैसे देशभक्त पैदा हुए।

इस देश की नैतिक लोकतांत्रिक शक्तियां यह भूल रही हैं कि रावण के आमंत्रण पर उसके पक्ष में युद्ध करने के लिए पूंजीवाद और फासीवाद की प्रचंड शक्तियां मैदान में उतर चुकी हैं। वे रावण को अंक में लेकर घूम रही हैं। अविभाजित बिहार पहले अपने खनिजों के कारण आंतरिक उपनिवेश बना था, अब पश्चिमी तट के कारपोरेट द्वय और राजनेता द्वय के लिए चारागाह बनने की तैयारी में है। बिहार क्या, पूरा देश इन शक्तियों के चंगुल में फंस चुका है। पंजाब और हरियाणा से प्रतिरोध जरूर उभरता है, लेकिन वह चुनावी विजय और राजनीतिक सत्ता के परिवर्तन तक पहुंच नहीं पाता।

डॉ. आंबेकर ने कहा था कि- लोकतंत्र न तो सिर्फ चुनावी प्रणाली है, न ही सिर्फ संस्थाओं से निर्मित होता है। वह निर्मित होता है एक ऐसे समाज से, जहां पर भाईचारा होता है, जहां होती है पारदर्शिता और सामाजिक, आर्थिक समानता। वह एक प्रणाली से अधिक संस्कृति है। आज धनबल, सत्ताबल और हिंसक भाषा के प्रहार से घायल लोकतंत्र अपनी प्राण रक्षा के लिए छटपटा रहा है। उस रक्षा की आशा सिर्फ बिहार से करना कुछ अधिक ही था। इसलिए देश की लोकतांत्रिक शक्तियों को बिहार को क्षमा करते हुए अलोकतांत्रिक शक्तियों की नकल नहीं करनी चाहिए। उन्हें नैतिक शक्तियों की आराधना करते हुए साधन की पवित्रता के साथ इस लंबी लड़ाई को चलाना चाहिए।

(लेखक पत्रकार एवं 'महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय' में प्रोफेसर रहे हैं।)

बिहार चुनाव : संदेह के बने रहने से लोकतंत्र को नुकसान

भारत में एक समय था जब चुनाव परिणाम चाहे जो भी हों, भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) युद्ध का सर्वमान्य विजेता और भारत की लोकतांत्रिक परंपराओं का मुख्य रक्षक माना जाता था। ईसीआई शुरुआत में शांत था, फिर मुख्य चुनाव आयुक्त टीएन शेषन के कार्यकाल में एक शेर बन गया और तब से इसने एक प्रखर रक्षक और भारत की लोकतांत्रिक सफलता के लिए आवश्यक तत्व- चुनाव प्रक्रिया के स्वतंत्र मध्यस्थ के रूप में अपनी छवि को बनाए रखा है। चुनाव का समय आते ही राजनीतिक दल अपनी सीमाओं की परीक्षा लेते हैं, लेकिन ईसीआई डटकर खड़ा होता था। वह यह सुनिश्चित करता कि उल्लंघनों की पहचान हो और वास्तव में जांच और निगरानी को बढ़ाता था ताकि प्रक्रिया न केवल निष्पक्ष हो बल्कि ऐसी दिखाई भी दे। अब उस स्वर्णिम युग को भारतीय चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा न रह जाने के रूप में देखे जाने की संभावना है। इस हार के कुछ निहितार्थ हैं जिन्हें ईसीआई पूरी तरह से समझ नहीं पा रहा है, जिसने खुद को ऐसे विवादों के भंवर में घसीटने दिया है जिनकी उसे आवश्यकता नहीं थी।

आज चुनावों की समाप्ति के साथ ही परिणामों को लेकर एक नई लड़ाई शुरू हो गई है, एक ऐसी गिरावट जो संपूर्ण राजनीतिक व्यवस्था और एक युवा राष्ट्र के गौरवशाली इतिहास के लिए गंभीर चिंता का विषय होनी चाहिए, जिसने स्वतंत्रता के बाद से सफलतापूर्वक एक उचित और निष्पक्ष चुनाव प्रक्रिया संचालित की है।

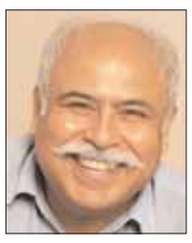

जगदीश रतनानी

> **चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है।**

बिहार विधानसभा चुनावों में भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन द्वारा लगभग पूर्ण विजय भी चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली में व्याप्त कमियों के कारण धूमिल हुई है। इसलिए ये परिणाम राष्ट्र को जटिल संकेत भेजते हैं। ये संदेह का कारण बन जाते हैं। अब यह संभव नहीं है कि एक पक्ष हारने वाले द्वारा उचित स्वीकृति के साथ नए कार्यकाल के लिए शपथ ले, जो लोगों के जनादेश और उम्मीदवारों के राजनीतिक भविष्य का फैसला करने की उनकी शक्ति- इन दोनों के आगे झुकना है। ये व्यवस्था की अखंडता, जनता की इच्छा को पढ़ने और लागू करने में उसकी अंतहीनता को छीन लेते हैं और इस प्रकार न केवल हारने वालों के साथ बल्कि विजेताओं और समग्र रूप से राजनीतिक व्यवस्था के साथ भी अन्याय करते हैं। इस मामले में चुनाव आयोग ने खुद को उन आरोपों और संदेहों से दूर न रखकर सभी पक्षों को निराश किया है जो अब उसके विभिन्न कार्यों पर छा रहे हैं।

बिहार में भी, जैसा कि महाराष्ट्र और हरियाणा के पिछले चुनावों में हुआ है, जीतने वाली पार्टी को इन आरोपों का सामना करना पड़ेगा कि उन्होंने एक ऐसे अंपायर को आसानी से हरा दिया जिसकी भूमिका पर अभी भी तीखा विवाद चल रहा है, जिससे पूरी चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता सवालों के घेरे में आ गई है। विपक्ष का ये आरोप 'अंगूर खट्टे हैं' वाली बात से परे है और वे अब हाल के चुनाव अभियानों और नतीजों का एक बढ़ाता हुआ हिस्सा बन गए हैं, जिससे भारतीय लोकतंत्र अपनी उन्हीं संरचनाओं से ख़तरे में पड़ गया है जिनका काम इसे सुरक्षित और मज़बूत बनाना है।

एक ओर बिहार 2025 के विधानसभा चुनावों के स्पष्ट आंकड़े नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा मशीनरी के ज़बरदस्त प्रभुत्व और गठबंधनों, संदेशों और छवि निर्माण में उसकी महारत को दोहराते हैं। इसकी सामान्य खूबियों के अलावा 'बिहार केन्द्रित' कई कारण भी गिनाए जा रहे हैं, जिनमें मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की कथित लोकप्रियता या लंबी सेवा, ऐन चुनाव के दौरान बिहार की 75 लाख महिलाओं को 10-10 हजार रुपये दिये जाने से भाजपा-एनडीए को बड़ा चुनावी लाभ दिलाया और सब कुछ बदलकर रख दिया। इसने शराबबंदी और राज्य भर में बेहतर कानून-व्यवस्था के दावों जैसे दीर्घकालिक उपायों की बजाय कथित तौर पर महिला मतदाताओं का दिल जीत लिया।

यह मानक पूर्वव्यापी प्रभाव-पश्चात अध्ययन, जो चुनाव में सत्ताधारी दलों द्वारा दिए गए तर्कों पर आधारित है, कुछ जमीनी हकीकतों को दर्शाता है; लेकिन क्या यह उस भारी जीत की व्याख्या कर सकता है, जिसने एनडीए गठबंधन को 243 में से 202 सीटें दिला दीं, जिसमें भाजपा 89 सीटों के साथ सबसे आगे थी और नीतीश कुमार की जनता दल (यूनाइटेड) 85 सीटों के साथ शीर्ष पर थी?

प्रतिवादस्वरूप, जो उतना ही मान्य है, यह पूछेगा कि 9 बार मुख्यमंत्री रह चुके एक व्यक्ति, जिन्हें उनके बदलते संबंधों के लिए 'पलटूराम' कहा गया और जिनकी आलोचना की गई है कि वे नियंत्रण में नहीं हैं या भाजपा द्वारा 'अपहृत' कर लिए गए हैं, इतनी बड़ी जीत कैसे दिला सकते हैं? भाजपा की बेहतर रणनीति और व्यवस्था में मौजूद संसाधनों की रीढ़ को देखते हुए भी, यह एक ऐसी सत्ता थी जिसने बिहार को विशेष रूप से फलते-फूलते नहीं देखा। युवाओं के लिए नौकरियों की कमी या निवेश की कमी उस सिक्के का दूसरा पहलू है जो उपहारों और रियायतों से मतदाताओं की वफादारी खरीदता है, भले ही ये दीर्घकालिक शासन और राजकोषीय प्रबंधन को नुकसान पहुंचाए। 'काम के लिए पलायन' बिहार के लिए अभिशाप बना हुआ है और यह राज्य में आम जनता के लिए अच्छे रोज़गार प्रदान करने के अवसरों की कमी को दर्शाता है। भारतीय जनसंख्या अध्ययन संस्थान, मुंबई द्वारा 2019 में किए गए एक अध्ययन के अनुसार, बिहार में मौसमी प्रवास अधिक प्रचलित है। मध्य गंगा के मैदान में देखे जाने वाले 72.8 प्रतिशत मौसमी प्रवासी राज्य से आते हैं। इसके कारण हैं- गरीबी और मजबूरी, बेरोजगारी, भूमिहीनता और भोजन की कमी। इस बात का कोई सबूत नहीं है कि राज्य की ऐतिहासिक प्रतिकूलताओं में हाल के वर्षों में नाटकीय बदलाव आया है।

यह भी ध्यान देने योग्य है कि विपक्षी दलों में कुछ अव्यवस्था ज़रूर थी, लेकिन राजद-कांग्रेस के नेतृत्व वाले महागठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार, राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव की रैलियों में ऊर्जा भी देखी गई। विपक्ष के नेता राहुल गांधी की वोट अधिकार जागरूकता रैलियों को भी ज़मीनी स्तर पर अच्छी प्रतिक्रिया मिली। गांधी ने बाबू जगजीवन राम के राजनीतिक गृह सासाराम से 'मतदान के अधिकार' आंदोलन की शुरुआत की और बिहार के लगभग 20 ज़िलों को कवर किया। चुनाव के बीच में यह आंदोलन चुनाव आयोग में विश्वास की कमी को दर्शाता है, जिससे हाल के वर्षों में चुनाव-दर-चुनाव आयोग के नैतिक अधिकार को कमज़ोर किया गया है।

चुनावी प्रक्रिया की निष्पक्षता के मुद्दे पर बढ़ते विवाद को आसानी से खारिज नहीं किया जा सकता। एक ऐसा चुनाव आयोग, जिसका बचाव इन दिनों केवल भारतीय जनता पार्टी कर रही है और जो अन्यथा बदनाम है, एक गहरी क्षति है जिसे भाजपा या उसके सहयोगियों के विजय उत्सवों से नहीं धोया जा सकता। विजेताओं को यह एहसास नहीं है कि भले ही वे जीत गए हों, लेकिन उनसे भी पुरस्कार छीन लिया गया है क्योंकि जब संदेह बना रहता है, तो जीत भी बेकार होती है। इससे लोगों और राजनीतिक दलों में जो आक्रोश पैदा होता है, वह आने वाले दिनों में कुछ बहुत ही जटिल और चुनौतीपूर्ण तरीकों से सामने आएगा।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार और एसपीजेआईएमआर में संकाय सदस्य हैं। (द बिलियन प्रेस))

सार समाचार

कोतवाली पुलिस ने सिर्फ 2 घंटे में ढूढ़ निकाली नाबालिग

गुना, देशबन्धु। कोतवाली पुलिस ने गुरुवार को शहर से लापता हुई 15 वर्षीय एक नाबालिग बालिका को मात्र दो घंटे के भीतर सुरक्षित तलाश कर उसके परिजनों से मिला दिया। सूचना मिली थी कि कोतवाली क्षेत्र से 15 वर्षीय एक नाबालिग बालिका घर से बिना बताए कहीं चली गई थी।

परिजनों ने अपने स्तर पर सभी संभावित जगहों पर खोजबीन की, लेकिन कोई सफलता नहीं मिली। इसके बाद, परिजनों ने तुरंत बालिका के गुम होने की सूचना गुना कोतवाली पुलिस को दी। पुलिस टीम द्वारा बालिका की सरगर्मी से तलाश शुरू की गई। इस हेतु बालिका के रिश्तेदारों, मित्रों, परिचितों आदि से लगातार संपर्क स्थापित किया गया और साथ ही तकनीकी संसाधनों की मदद ली गई। इन त्वरित और समन्वित प्रयासों के परिणामस्वरूप, पुलिस ने मात्र 02 घंटे के भीतर ही बालिका को सुरक्षित ढूंढ निकाला और उसे परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

सरस्वती विद्या मंदिर के स्कूली बच्चों ने किया कलेक्ट्रेट का भ्रमण

गुना, देशबन्धु। सरस्वती विद्या मंदिर गुना के विद्यार्थियों को गुरुवार को विद्या भारती की दिशा बोध योजना के तहत एक विशेष शैक्षणिक भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और उन्हें प्रशासनिक कार्यों की जानकारी दी गई। भ्रमण के दौरान, बच्चों को कलेक्ट्रेट की विभिन्न शाखाओं में ले जाया गया और वहाँ होने वाले महत्वपूर्ण कार्यों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को सरकारी कामकाज, पारदर्शिता और प्रशासनिक व्यवस्था की जमीनी समझ विकसित कराना था। विद्यार्थियों ने विशेष रूप से राजस्व से संबंधित कार्यों और सार्वजनिक वितरण प्रणाली की पूरी प्रक्रिया विभाग के दफ्तर में पहुंचकर देखी और जानकारी प्राप्त की। इसके अलावा बच्चों ने कलेक्ट्रेट के सुंदर गार्डन का भी अवलोकन किया और आनंद के पल बिताए। इस दौरान, गुना कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने भी छात्र-छात्राओं से मुलाकात की। कलेक्टर ने बच्चों को प्रशासनिक प्रक्रियाओं के महत्व के बारे में बताया और उन्हें भविष्य में राष्ट्र निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। छात्रों ने भी जिज्ञासावश कई सवाल पूछे, जिनका कलेक्टर ने सरल भाषा में जवाब दिया ।

सांदीपनि विद्यालय में पालक-शिक्षक संवाद संपन्न

गुना, देशबन्धु। सांदीपनि विद्यालय शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बरखेड़ाहाट में गुरुवार को संस्था प्राचार्य यशवंत सिंह धाकड़ की अध्यक्षता में कक्षा 9 से 12 तक के छात्रों के पालकों के साथ एक महत्वपूर्ण पालक शिक्षक संवाद आयोजित किया गया।

इस संवाद का मुख्य उद्देश्य छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन की समीक्षा करना और आगामी वार्षिक परीक्षाओं में बेहतर परिणाम सुनिश्चित करने के लिए संयुक्त रणनीति बनाना था। आयोजन में अभिभावकों को छात्रों के अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम से अवगत कराया गया।

संस्था प्राचार्य यशवंत सिंह धाकड़ ने बताया कि सांदीपनि विद्यालय द्वारा छात्रों के केवल शैक्षणिक ही नहीं, अपितु सर्वांगीण विकास हेतु हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। धाकड़ ने वार्षिक परीक्षा में बेहतर अंक लाने के लिए शिक्षकों के साथ-साथ अभिभावकों की भूमिका पर विशेष जोर दिया। उन्होंने कहा कि अब वार्षिक परीक्षाएं सन्निकट हैं, ऐसे में महती आवश्यकता है कि छात्रों को पढ़ाई में अधिक से अधिक समय दिया जाए, जिससे वे वार्षिक परीक्षा में बेहतर अंक प्राप्त कर सकें।

सद्गुरु ऋतेश्वर महाराज दिया भारत को विश्व गुरु बनाने का मंत्र

गुना, देशबन्धु। वृंदावन स्थित श्री आनंद धाम ट्रस्ट के संस्थापक सद्गुरु ऋतेश्वर जी महाराज ने भारत को पुनः विश्व गुरु बनाने के लिए सनातन और राष्ट्रवाद की शिक्षा लागू करने का मंत्र दिया है।

खाद के बाद अब बिजली को लेकर

फूटा किसानों का आक्रोश, बीच सड़क पर लेट गए किसान

गुना, देशबन्धु। केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया के संसदीय क्षेत्र गुना में किसान अपनी मूलभूत समस्याओं को लेकर लगातार परेशान हैं। खाद के बाद अब बिजली की अनियमित आपूर्ति ने किसानों को सड़क पर उतरने के लिए मजबूर कर दिया है। किसानों की पीड़ा है कि सरकारी ने उनकी आय दोगुनी करने का वादा किया था, जो पूरा नहीं हुआ। इसके विपरीत आधी-अधूरी यानी कुछ घंटों के मिल रही बिजली भी गुल कर दी गई है। दरअसल, जिले के बमोरी-फतेहगढ़ क्षेत्र में गुरुवार को आक्रोशित किसानों ने बिजली संकट को लेकर फतेहगढ़ चौराहे पर चक्काजाम कर दिया, जिसके चलते दोनों ओर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। किसानों को वर्तमान में अपने खेतों में सिंचाई के लिए बिजली की सख्त आवश्यकता है, विभाग समय से बिजली की आपूर्ति नहीं कर रहा है। किसानों का कहना है कि पिछले एक सप्ताह से वे बिजली न मिलने के कारण परेशान हैं। इसके चलते गुरुवार को नाराज किसानों ने फतेहगढ़ में सड़क पर बैठकर विद्युत मंडल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। विरोध प्रदर्शन के दौरान, किसानों का आक्रोश इतना बढ़ गया कि एक किसानों को सड़क पर लेटकर विरोध जताना पड़ा। किसानों ने बताया कि पानी देने के लिए बिजली की आपूर्ति पर्याप्त समय तक नहीं हो रही है। इतना ही नहीं बिजली कंपनी पूरा पैसा जमा लेने के बाद भी बिजली नहीं दे रही है। जबकि मुख्यमंत्री मोहन यादव 10 घंटे अनिवार्य रूप से बिजली प्रदाय करने की घोषणा कर चुके हैं। किसानों ने बताया कि रात में बिजली देने का आश्वासन दिया गया, लेकिन किसान पूरी रात ठंड में खेतों पर बैठे रहे और सुबह तक बिजली चालू नहीं हुई।

वरिष्ठ अधिकारी को बुलाने पर अड़े

किसानों ने आरोप लगाया कि विद्युत विभाग ओवरलोड और अन्य तरह के बहाने बनाकर उन्हें लगातार परेशान कर रहा है। उन्होंने नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि शासन-प्रशासन या कोई जनप्रतिनिधि उनकी समस्या का समाधान नहीं कर रहा है।

मौके पर पुलिस बल भी पहुंचा और किसानों को सड़क से हटाने के लिए समझाइश दी, लेकिन किसान अपनी मांग पर अड़े रहे। उनकी मुख्य मांग थी कि विद्युत विभाग के कार्यपालन यंत्री को मौके पर बुलाया जाए ताकि उनकी समस्या का तत्काल समाधान हो सके। चक्काजाम के कारण सड़क पर यातायात पूरी तरह बाधित रहा। इस दौरान कई स्कूली बच्चे भी भीड़ में खड़े होकर किसानों के विरोध प्रदर्शन को देखते नजर आए।

हम सर्दी में ठिठुर रहे, उन्हें चिंता तक नहीं

आंदोलन में शामिल होने आए फतेहगढ़ के किसान किशन सिंह ने बताया कि बिजली कंपनी की मनमानी के चलते कई चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। क्षेत्र में सर्दी लगातार बढ़ती जा रही है। बीती रात भी वे सर्दी के बीच ठिठुरते रहे, लेकिन बिजली नहीं आई। पूरी रात इंतजार में बीत गई। लेकिन बिजली नहीं आई। स्थानीय अधिकारी तो फोन तक नहीं उठाते हैं। लाइनमैन और मीटर स्तर के कर्मचारी साफ कह देते हैं कि यह हमारा नहीं है। जबकि बिजली के बिल की वसूली करने के लिए सभी झुंड में आ जाते हैं। अब तो हथियारों के साथ वसूली की जाने लगी है। किसानों के मुताबिक वे पूरा बिल भुगतान कर रहे हैं तो उन्हें बिजली भी पूरी मिलना चाहिए।

अब गणेश टॉकीज गली में चोर ने की सेंधमारी

कैमरे में लाइव देख रहे थे दुकानदार, दबोचने से पहले भाग गया चोर

गुना, देशबन्धु। कोतवाली थाना क्षेत्र की गणेश टॉकीज गली में संचालित माहुले इंजीनियरिंग वर्क्स नामक दुकान में गुरुवार रात को सेंधमारी की वारदात सामने आई है। चोर दुकान के पिछले हिस्से में सेंध लगाकर अंदर घुसे और लगभग 20 से 25 हजार रुपए का सामान चोरी कर लिया। दुकान के मालिक सुशील कुमार माहुले ने बताया कि यह घटना रात करीब 10 बजे हुई। चोरों ने सबसे पहले दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरों को तोड़ा। संयोग यह रहा कि माहुले अपने घर पर कैमरे की लाइव फुटेज देख रहे थे। फुटेज में संदिग्ध गतिविधि देखते ही माहुले तुरंत दुकान की ओर भागे। उन्होंने बताया कि वह 10 बजकर 20 मिनट पर अपनी दुकान पर पहुंचे, लेकिन तब तक चोर वारदात को अंजाम देकर वहाँ से फरार हो चुके थे। चोरों ने सेंधमारी के लिए दुकान के पिछले हिस्से को निशाना बनाया था। चोरी गए सामान की कीमत 20 से 25 हजार रुपए के बीच बताई जा रही है। घटना की जानकारी मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। वारदात की जानकारी मिलने पर पुलिस आसपास के अन्य कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि फरार चोरों का पता लगाया जा सके।

ऑपरेशन धरपकड़ : लूट और मारपीट के मामले में शामिल नौवां आरोपी गिरफ्तार

गुना, देशबन्धु। कोतवाली पुलिस ने ऑपरेशन धरपकड़ के तहत 5 सितंबर को बस स्टैंड क्षेत्र में हुई लूट और मारपीट के मामले में शामिल नौवां आरोपी गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 5 सितंबर की शाम शहर के ग्रीन होटल के सामने अभिषेक पुत्र सुदर्शन तिवारी निवासी भुल्लनपुरा गुना के साथ 8-10 अज्ञात लोगों द्वारा गाली गलौंच करते हुए लात-घूंसों से मारपीट और लूटपाट की घटना को अंजाम दिया गया था। गुना कोतवाली पुलिस ने कार्यवाही करते हुए इससे पहले 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा था। फरार आरोपियों की तलाश के सिलसिले में गुरुवार को मुखबिर सूचना पर गुना कोतवाली पुलिस द्वारा आरोपी शाकिब पुत्र आजाद खांन को गिरफ्तार कर लिया गया है। शाकिब को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उसे जेल भेज दिया गया है।

भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा संपन्न, जिले के 7135 विद्यार्थी हुए शामिल

गुना, देशबन्धु। भारतीय संस्कृति के प्रति जागरूकता और ज्ञानवर्धन के उद्देश्य से अखिल विश्व गायत्री परिवार, शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में गायत्री शक्ति पीठ गुना द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन 21 नवंबर 2025 को किया गया। यह परीक्षा पूरे जिले की पांचों तहसीलों में सफलतापूर्वक संपन्न हुई। जिले में कुल 153 परीक्षा केंद्रों पर कक्षा 5 से लेकर 12 तक के विद्यार्थियों के लिए यह परीक्षा आयोजित की गई। भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा के जिला संयोजक श्रीराम शर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष परीक्षा में गुना जिले से लगभग 7135 विद्यार्थी शामिल हुए। यह परीक्षा हिंदी और अंग्रेजी, दोनों भाषाओं में आयोजित की गई। पूरे मध्यप्रदेश में यह परीक्षा दोपहर 12:00 बजे से 1:00 बजे तक एक साथ सभी स्कूल, कॉलेज और कोचिंग सेंटरों में हुई। यह परीक्षा ओ.एम.आर. शीट पर आयोजित की जाती है, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति के उद्देश्य, रूपरेखा और महत्व से अवगत कराना है, जिससे उनकी नॉलेज का स्तर बढ़े। गायत्री परिवार गुना के मनमोहन शिवहरे ने बताया कि भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा संपन्न कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में भारतीय संस्कृति के प्रति समझ और मार्गदर्शन विकसित करना है। उन्होंने बताया कि इस परीक्षा में जिले से प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान पर आने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कार एवं प्रमाण पत्र प्रदान किए जाते हैं। साथ ही, बेहतर प्रदर्शन करने वाली संस्थाओं को भी सम्मानित किया जाता है।

एसपी अंकित सोनी ने ली सलामी

लाल परेड मैदान पर पुलिस की साप्ताहिक परेड

गुना, देशबन्धु। शुक्रवार को सुबह पुलिस लाइन स्थित लाल परेड मैदान पर पुलिस बल की नियमित साप्ताहिक जनरल परेड का आयोजन किया गया। पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने परेड की सलामी ली और निरीक्षण किया, जहां उन्होंने पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के टर्न-आउट (पहनावे और तैयारी) की गुणवत्ता को परखा। निरीक्षण के दौरान, पुलिस अधीक्षक सोनी ने जवानों को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सदैव फिट रहने के निर्देश दिए। उन्होंने अनुशासन और प्रोफेशनलिज्म (पेशेवरता) के मूल सिद्धांतों को कार्य में सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने जवानों को सतर्कता, समयपालन और कर्तव्यनिष्ठा के साथ आमजन की सुरक्षा एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु प्रेरित किया।

परेड ग्राउंड पर पुलिस दल ने मंच के सामने अनुशासित और आकर्षक मार्च-पास्ट कर अपनी बेहतरीन प्रशिक्षण क्षमता का प्रदर्शन किया। इस साप्ताहिक परेड में एसडीओपी राघौगढ़ दीपा डोडवे, परिवीक्षाधीन डीएसपी एवं थाना प्रभारी राघौगढ़ आनंद कुमार राय, विजयपुर थाना प्रभारी निरीक्षक रितुराज सिंह कुशवाह, निरीक्षक मचल सिंह मंडेलिया, सूबेदार मोनिका जैन, सूबेदार यशवंत रघुवंशी सहित लगभग 100 पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

एसपी ने छात्र-छात्राओं सिखाया गुड टच-बैड टच

सुरक्षित बचपन, सशक्त गुना के तहत पुलिस का संकल्प

गुना, देशबन्धु। पुलिस मुख्यालय, मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश में 01 नवम्बर से 30 नवम्बर 2025 तक चलाए जा रहे विशेष ऑपरेशन मुस्कान अभियान के तहत गुरुवार को पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी ने पीएम श्री केन्द्रीय विद्यालय नानाखेड़ी गुना एवं नीलवर्ल्ड स्कूल गुना में छात्र-छात्राओं और शिक्षक-शिक्षिकाओं को बाल सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं।

केन्द्रीय विद्यालय और नीलवर्ल्ड स्कूल में आयोजित विशेष बाल सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रमों में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, सीएसपी गुना प्रियंका मिश्रा एवं थाना प्रभारी कैंट निरीक्षक अनूप भार्गव ने उपस्थित छात्र-छात्राओं और शिक्षकों को ऑपरेशन मुस्कान के तहत बाल सुरक्षा उपायों तथा सतर्कता संबंधी विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नाबालिग छात्राओं को संभावित जोखिमों के प्रति जागरूक करना और किसी भी विपरीत परिस्थिति में तुरंत पुलिस की सहायता लेने के लिए प्रोत्साहित करना था। इस दौरान बच्चों को जागरूकता संबंधी लघु फिल्म कोमल का प्रोजेक्टर पर प्रसारण कर दिखाया गया। पुलिस अधीक्षक सोनी ने गुड टच और बैड टच को आसान भाषा में समझाते हुए छात्राओं को बताया कि यदि कोई शिक्षक, रिश्तेदार, परिचित या कोई भी व्यक्ति उनके साथ अनुचित स्पर्श करता है या असहजता पैदा करता है, तो इसे नजर अंदाज न करें। ऐसी स्थिति में तुरंत अपने माता-पिता, शिक्षक या पुलिस को जानकारी दें। उन्होंने कहा कि बाल सुरक्षा में सतर्कता ही सबसे बड़ा संरक्षण है।

अनजान व्यक्ति से बनाएं दूरी

एसपी ने छात्र-छात्राओं से कहा कि वे स्वयं की सुरक्षा पर भी ध्यान दें। किसी भी अनजान व्यक्ति से अनावश्यक बातचीत या नजदीकी न बढ़ाएँ। सोशल मीडिया पर अनजान व्यक्तियों की फ्रेंड रिक्वेस्ट स्वीकार न करें और निजी जानकारी साझा करने से बचें। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत अभिभावकों, शिक्षकों एवं पुलिस को दें।

कट्टा लहराकर दहशत फैला रहे बदमाश पर शिकंजा

गुना, देशबन्धु। बीनागंज क्षेत्र में कट्टा लहराकर दहशत फैला रहे युवक को पुलिस ने सबक सिखाते हुए गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के मुताबिक 20 नवंबर की बीनागंज चौकी पुलिस को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि लहरचा रोड स्थित कलारी के पास एक व्यक्ति अपनी मोटर साइकिल पर बैठा हुआ है और हाथ में कट्टा लहराकर लोगों में दहशत फैला रहा है। बीनागंज चौकी से पुलिस की एक टीम ने तत्काल लहरचा रोड पर मुखबिर द्वारा बताई गई जगह पर दबिश दी।

पुलिस को देखते ही मोटर साइकिल पर बैठे व्यक्ति ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस बल ने प्रभावी कार्यवाही करते हुए उसे चारों ओर से घेरकर धर दबोचा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम राहुल पुत्र रंधीर सिंह मीना (उम्र 25 साल, निवासी ग्राम पीपल्या थाना कुंभराज जिला गुना) का होना बताया। उसकी तलाशी लेने पर उसके पास से 315 बोर का एक देशी कट्टा और एक जिंदा राउण्ड बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से बरामद अवैध देशी कट्टा, जिंदा राउण्ड एवं मोटर साइकिल को विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया है।

3 साल से नहीं बढ़ा बोझा उठाने वाले हम्मालों का मेहनताना

हम्माल संघ ने जिला प्रशासन को दिया ज्ञापन

गुना, देशबन्धु। अनाज मंडियों में हाड़-तोड़ मेहनत करने वाले हम्मालों का मेहनताना पिछले 3 सालों से नहीं बढ़ाया गया है। जबकि महंगाई लगातार बढ़ती जा रही है। ऐसी ही 6 सूत्रीय मांगों को लेकर शुक्रवार को कृषि उपज मंडी हम्माल तुलावटी संघ ने कलेक्टर को ज्ञापन दिया है। जिला अध्यक्ष हरवीर सिंह यादव के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में 6 सूत्रीय मांगों का जिक्र करते हुए हम्मालों की मजदूरी बढ़ाने और 50 किलो वजन उठाने के तय मानकों का पालन कराने की मांग की गई है।

हम्माल यूनियन ने मंडी प्रशासन पर नियमों की अनदेखी का आरोप लगाते हुए दावा किया है कि हाल ही में 7 नवीन तुलावटी बना दिए गए हैं, जो नियम विरूद्ध हैं। क्योंकि मेहनतकश हम्माल के पास सबसे बड़ी उपलब्धि तुलावटी पद पर पदोन्नति मिलना होता है, ऐसे में मंडी प्रशासन द्वारा उसका यह अवसर भी छीन लिया गया है। हम्माल संघ ने बाहरी लोगों को दिए गए नवीन तुलावटी लाइसेंस निरस्त करने की मांग की गई है।

कलेक्टर ने जिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

कैंटीन में गंदगी पर सौ रुपए का जुर्माना, स्वच्छता पर विशेष जोर

गुना, देशबन्धु। जिला चिकित्सालय के रेडक्रॉस भवन में शुक्रवार को कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने समीक्षा बैठक रखी। बैठक के बाद, उन्होंने अस्पताल परिसर का विस्तृत दौरा कर एक-एक व्यवस्था की पड़ताल की और मौके पर ही कई सुधार कार्य शुरू कराए। निरीक्षण के दौरान स्वच्छता और रोगी सेवाओं को बेहतर बनाने पर कलेक्टर का विशेष जोर रहा। कलेक्टर के निरीक्षण के दौरान, कैंटीन के बाहर गंदगी पाई गई। इस अव्यवस्था पर कलेक्टर ने सख्त रुख अपनाते हुए कैंटीन प्रबंधन को तुरंत समझाया और मौके पर ही 100 रुपए का जुर्माना लगाया। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि अगली बार साफ-सफाई न मिलने पर अधिक कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कैंटीन प्रबंधक से लोगों को डस्टबिन का उपयोग करने के लिए जागरूक करने को कहा, जिसके बाद तत्काल बाहर पड़ी गंदगी साफ कराई गई। कलेक्टर ने जनऔषधि केंद्र का भी निरीक्षण किया और वहां दवाइयों की उपलब्धता तथा मांग के अनुसार स्टॉक बढ़ाने को कहा। साथ ही, उन्होंने निर्देश दिए कि दवाइयों की रेट लिस्ट और चेकलिस्ट स्पष्ट रूप से लगाई जाए ताकि मरीजों को पूरी जानकारी मिल सके।

अस्पताल की तीन एंबुलेंस खराब

108 एंबुलेंस सेवा की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने सभी एंबुलेंस को उनकी नंबरिंग के हिसाब से डैशबोर्ड पर प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। बैठक में खराब पड़ी तीन एंबुलेंस को शीघ्र दुरुस्त कराने की बात कही गई। उन्होंने अस्पताल परिसर की सफाई पर खास जोर देते हुए कहा कि कैंपस में कहीं भी पॉलिथीन नजर न आए। कैंटीन और मेडिकल स्टोर के पास अच्छी डस्टबिन लगाने की आवश्यकता बताई गई। वॉशरूम ब्लॉक के सुधार कार्य की जानकारी ली गई, जिसमें बताया गया कि अंतिम ब्लॉक को छोड़कर सभी ठीक कर दिए गए हैं और शेष काम अगले दिन तक पूरा हो जाएगा।

मरीजों से शांत व्यवहार करें

कलेक्टर ने डॉक्टर्स और स्टाफ से कहा, मरीजों से शांत और समझदारी से बात करें। अस्पताल की छवि खुद हम सबके व्यवहार से बनती है। मैटरनिटी ऑपरेशन थिएटर, प्रसूति गृह और नवजात शिशु इकाई का दौरा करते हुए, कलेक्टर ने डॉक्टरों से डिलीवरी के दौरान होने वाली जटिलताओं और मौत दर को कम करने पर खास ध्यान देने को कहा। उन्होंने सर्जरी के बाद मरीजों को खान-पान और सावधानियों की सही जानकारी देने पर भी जोर दिया। इसके अलावा, कलेक्टर ने जिले में शुरू हो रहे हेलमेट अभियान के तहत अस्पताल से भी पहल करने और जागरूकता कैंपेन चलाने को कहा, ताकि दोपहिया हादसों में बिना हेलमेट होने वाली मौतों को रोका जा सके।

सार-समाचार

कुपोषित बच्चों को वितरित की जा रही है फूड बॉस्केट

रायसेन, देशबन्धु। जिले को कुपोषणमुक्त बनाने के लिए महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग सहित संबंधित विभागों द्वारा अभियान के रूप में कार्य किया जा रहा है। साथ ही जनप्रतिनिधियों, व्यापारिक संगठनों, सामाजिक संगठनों आदि के सहयोग से कुपोषित बच्चों को फूड बॉस्केट वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही महिला बाल विकास और स्वास्थ्य विभाग के अमले द्वारा कुपोषित बच्चों के माता-पिता से गृह भेंट कर बच्चों के स्वास्थ्य में पोषण आहार का महत्व बताया जा रहा है। इसके अतिरिक्त घर पर ही सुगमता से उपलब्ध खाद्य सामग्रियों से पौष्टिक आहार बनाने की विधि भी बताई जा रही है।

तेज़ रफ्तार वाहन की टक्कर से युवक घायल

छतरपुर, देशबन्धु। बड़ामलहरा थाना क्षेत्र में शुक्रवार को एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया, जिसमें घिनोची गांव के 24 वर्षीय अमित दुबे गंभीर रूप से घायल हो गया है। जानकारी के अनुसार अमित दुबे अपनी मोटरसाइकिल से सब्जी मंडी जा रहा था, तभी बड़ामलहरा के पास अचानक एक तेज़ रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसकी मोटरसाइकिल में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में अमित सड़क पर गिरकर बेहोश हो गए। अमित के पीछे मोटरसाइकिल से आ रहे उसके पिता नाथूराम दुबे ने जब बेटे को सड़क पर पड़ा देखा, तो तुरंत उठाकर बड़ामलहरा उपस्वास्थ्य केंद्र ले आए। वहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर हालत में उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। हादसे के बाद टक्कर मारने वाला वाहन मौके से फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर अज्ञात वाहन और उसके चालक की तलाश शुरू कर दी है।

शोधार्थी रामखगेश के सटीक प्रजेंटेशन को सभी ने सराहा

छतरपुर, देशबन्धु। महाराजा छत्रसाल बुन्देलखण्ड यूनिवर्सिटी के वाणिज्य अध्ययनशाला एवं शोध केन्द्र में वाणिज्य के शोध छात्र रामखगेश पटेल द्वारा जूनियर रिसर्च फेलो से सीनियर रिसर्च फेलो में उन्नयन के लिए प्रभावी प्रजेंटेशन दिया गया। इस मौके पर वाणिज्य के डीन एवं विभागाध्यक्ष डा बीके अग्रवाल, बाह्य विषय विशेषज्ञ के रुप में शासकीय एमएलबी कॉलेज ग्वालियर के वाणिज्य विभाग के सेवानिवृत वरिष्ठ प्राध्यापक डा आरसी गुप्ता उपस्थित रहे। रामखगेश पटेल ने बताया वह शोध कार्य भारतीय बजटीय प्रणाली का समीक्षात्मक अध्ययन, भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत बजट 2016-17 से 2023-24 के विशेष संदर्भ में विषय पर कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शक वाणिज्य के प्राध्यापक डा ओपी अरजरिया हैं। बाह्य विशेषज्ञ डॉ गुप्ता ने रामखगेश पटेल के प्रजेंटेशन की सराहना की। शोध निदेशक डॉ ओपी अरजरिया एवं वाणिज्य के विजिटिंग प्रोफेसर डॉ एसपी जैन ने शोधार्थी श्री पटेल को शीघ्र शोध कार्य पूर्ण करने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर वाणिज्य, प्रबंध, उद्यमिता और वोकेशनल कोर्स के सभी अतिथि विद्वान और कामर्स के रिसर्च स्कालर उपस्थित थे।

प्रेक्षक ने किया बूथ, निर्वाचन शाखा का निरीक्षण

छतरपुर, देशबन्धु। विधानसभा क्षेत्र 51 छतरपुर अंतर्गत विशेष गहन पुनरीक्षण 2026 (एसआईआर) का कार्य सभी मतदान केन्द्र पर बीएलओ के द्वारा किया जा रहा है। शुक्रवार को मतदान केन्द एवं तहसील में निर्वाचन शाखा का रोल प्रेक्षक द्वारा औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान तहसीलदार (ग्रामीण) आकाश नीरज द्वारा जानकारी दई गई। मतदान केंद्रों के किए गए निरीक्षण में 79, 80-गौरगांय एवं 50-धमौरा में निर्वाचक नामावली 2025 की मतदाता सूची साथ में रखने के निर्देश दिए। परिक्षेत्र स्तर पर अधिकतम अन्य विभागीय सहयोग करने के भी निर्देश दिए गए। 26-महेबा, 27-महेबा, 28-महेबा और तहसील निर्वाचन शाखा के निरीक्षण में कार्य संतोषजनक पाया गया।

सिविल अस्पताल में लापरवाही

सीएमएचओ ने निरीक्षण किया तो कई कर्मचारी अनुपस्थित मिले

सांची, देशबन्धु। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सी.एन. मांडरे ने शुक्रवार सुबह 10:15 बजे सिविल अस्पताल सांची का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल में पदस्थ लगभग 50 प्रतिशत अधिकारी व कर्मचारी निर्धारित समय पर उपस्थित नहीं मिले। वहीं कुछ कर्मचारियों द्वारा उपस्थिति रजिस्टर में पूर्व से ही हस्ताक्षर कर रखने की शिकायत भी पाई गई। अस्पताल निरीक्षण के बाद सीएमएचओ ने सेवासनी, इमलिया, पगनेवर, कोंड़ी सहित अन्य स्वास्थ्य केन्द्रों का निरीक्षण किया। पगनेवर सेक्टर की सुपरवाइजर द्वारा सीएमएचओ का फोन रिसीव न करना, गलत जानकारी देना तथा टीम के कार्यों में लापरवाही सामने आई। जांच में पाया गया कि निर्मला मीना जिन्हें अमरावत सेक्टर में टीकाकरण कार्य पूरा करना था, उन्हें सुपरवाइजर ने कोंड़ी में उपस्थित बताया, लेकिन जब सीएमएचओ कोंड़ी पहुंचे तो निर्मला मीना मौके पर नहीं मिलीं। इससे स्पष्ट हुआ कि सुपरवाइजर अपने अधीनस्थ कर्मचारियों की लापरवाही को छिपाने में सहयोग कर रही थीं। निरीक्षण के दौरान अस्पताल और पगनेवर सेक्टर से संबंधित शिकायतें सही पाए जाने पर सीएमएचओ डॉ. मांडरे ने सांची सिविल अस्पताल के अनुपस्थित कर्मचारियों, पगनेवर सेक्टर की सुपरवाइजर तथा संबंधित स्वास्थ्यकर्मी को नोटिस जारी किए। सिविल अस्पताल सांची और पगनेवर सेक्टर के बारे में लगातार शिकायतें मिल रही थीं कि कर्मचारी समय पर उपस्थित नहीं होते और ग्रामीणों को स्वास्थ्य सुविधाएं समय पर उपलब्ध नहीं हो पातीं। इन शिकायतों की पुष्टि औचक निरीक्षण में होने के बाद स्वास्थ्य विभाग ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई की है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण को लेकर हुई बैठक

रायसेन, देशबन्धु। नगरीय निकायों तथा पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का वार्षिक पुनरीक्षण के संबंध में जिला स्तरीय स्टेंडिंग कमेटी की बैठक उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री मनोज उपाध्याय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट कार्यालय में सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों को मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्यक्रम-2025 की सम्पूर्ण प्रक्रिया से अवगत कराते हुए बताया कि नगरीय निकायों, पंचायतों की फोटोयुक्त मतदाता सूची का अंतिम प्रकाशन शुक्रवार को निर्धारित स्थानों पर कर दिया गया है। साथ ही जिले की समस्त 12 नगरीय निकायों की अंतिम प्रकाशित मुद्रित फोटोयुक्त मतदाता सूची की नि:शुल्क प्रतियां भी प्रदान की गईं।

सांसद खेल महोत्सव: रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित हुई कई प्रतियोगिताएं

रायसेन, देशबन्धु। केन्द्रीय कृषि तथा ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान के निर्देशानुसार संसदीय क्षेत्र विदिशा में फिटनेस को बढ़ावा देने और स्थानीय प्रतिभाओं की पहचान करने के उद्देश्य से आयोजित किए जा रहे सांसद खेल महोत्सव के तहत शुक्रवार को जिले की औबेदुल्लागंज जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत उमरावगंज में खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। जिसमें पम्परागत खेलों को प्रोत्साहित करने रस्साकशी, कुर्सी दौड़ सहित अन्य खेल गतिविधियां आयोजित की गईं। इन खेल गतिविधियों में बच्चों, युवाओं तथा ग्रामीणजनों द्वारा भी उत्साह के साथ सहभागिता की गई।

16 हजार के इनामी बदमाश को पकड़ा

छतरपुर, देशबन्धु। थाना बड़ामलहरा पुलिस ने वर्ष 2007 के अवैध हथियार, वर्ष 2014 के मारपीट, वर्ष 2017 के अवैध हथियार प्रकरण में फरार 16000 रुपए के इनामी आरोपी हल्के लक्ष्मण सिंह पिता पूरन सिंह निवासी ग्राम सूरजपुरा कला को गिरफ्तार किया है। उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया, वहां से जेल भेज दिया गया है। इस कार्यवाही में एसडीओपी बड़ामलहरा रोहित अलावा के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी बड़ामलहरा टीआई श्रद्धा शुक्ला, एएसआई भान सिंह घोस, आरक्षक गजराज, निशांत, महिला आरक्षक रंजना, शोभना एवं की भूमिका खास रही है।

2 दिवसीय महाबोधि महोत्सव 29 से, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में दिखेगी ऐतिहासिकता की झलक

सांची, देशबन्धु। विश्वप्रसिद्ध पर्यटन नगरी सांची में 29 एवं 30 नवम्बर को दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव आयोजित किया जा रहा है। मप्र शासन के संस्कृति विभाग द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से आयोजित यह भव्य आयोजन बुद्ध जम्बूद्वीप पार्क में होगा, जहां विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियां सांची की ऐतिहासिक गरिमा में नई आभा भरेंगी। सांची अपनी 2500 वर्ष पुरानी बौद्ध विरासत, महान स्तूप क्रमांक-1, अशोक कालीन धर्मचक्र और समूची मानव सभ्यता को शांति का संदेश देने वाले अशोक स्तंभ के लिए विश्वभर में जाना जाता है। यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित सांची सदियों से बौद्ध धर्म, करुणा और अहिंसा के उपदेशों की जीवंत प्रतीक रही है। इसी आध्यात्मिक पृष्ठभूमि में आयोजित होने वाला महाबोधि महोत्सव न केवल सांस्कृतिक विविधता

का उत्सव है, बल्कि सांची की ऐतिहासिक आत्मा को फिर से अनुभव करने का अवसर भी प्रदान करेगा।

महोत्सव कार्यक्रम में पहले दिन 29 नवम्बर को श्रीलंका के लोकनृत्य एवं गीत, भोपाल के कलाकारों द्वारा पंचशील की नृत्य-गायन प्रस्तुति, संघरत्ना बनकर, भोपाल द्वारा बुद्ध नाटिका, द साया बैण्ड द्वारा बौद्ध/भक्ति संगीत होगा। दूसरे दिन 30 नवम्बर को श्रीलंका के पारंपरिक लोकनृत्य और गीत इसके उपरांत अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, जिसमें प्रसिद्ध कवि सूर्यकुमार पाण्डेय लखनऊ, स्वयं श्रीवास्तव उन्नाव, सुमित मिश्रा ओरछा, हिमांशी बाबरा, मनु वैशाली रायबरेली, दीपक शुक्ला भोपाल, अभिसार शुक्ला दिल्ली एवं चेतन चर्चित इंदौर अपनी प्रस्तुति देंगे।

राष्ट्रीय समूहगान स्पर्धा कल, कई राज्यों की टीमें देंगी प्रस्तुति

छतरपुर, देशबन्धु। भारत विकास परिषद मध्यक्षेत्र के तत्वाधान में 23 नवम्बर को पं मोतीलाल नेहरु विधि महाविद्यालय में क्षेत्र स्तरीय राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसमें कई राज्यों की चयनित टीमें अपनी प्रस्तुति देंगीं।

भारत विकास परिषद् के उपाध्यक्ष डॉ सुमति प्रकाश जैन ने बताया उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रविन्द्र सिंह होंगे। अध्यक्षता भारत विकास परिषद के राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्री विनीत गर्ग करेंगे। अति विशिष्ट अतिथियों में प्रधान न्यायाधीश कुटुंब न्यायालय राजेश कुमार देवलिया, मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी स्वाति निवेश जायसवाल, विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव विष्णु प्रसाद सोलंकी और विशिष्ट अतिथि के रुप में राहुल जैन, राष्ट्रीय पर्यवेक्षक संस्कार, सुनील कोठारी क्षेत्रीय अध्यक्ष, देवेंद्र तिवारी प्रांतीय अध्यक्ष, विनोद कुमार दीक्षित अध्यक्ष जिला अधिवक्ता संघ एवं योगेंद्र प्रताप सिंह अध्यक्ष शिक्षा प्रसार समिति को आमंत्रित किया है।

जैन ने बताया राष्ट्रीय समूह गान प्रतियोगिता के बाद सांय 4 बजे समापन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि छतरपुर विधायक ललिता यादव पुरस्कार वितरण करेंगीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रीय अतिरिक्त महामंत्रीभारत विकास परिषद विनीत गर्ग करेंगे। विशिष्ट अतिथियों में विधायक राजनगर अरविंद पटैरिया, विधायक बिजावर राजेश शुक्ला और विधायक महाराजपुर कामाख्या प्रताप सिंह को आमंत्रित किया

प्रशिक्षण का लाभ बच्चों तक पहुंचाकर उनका ज्ञान बढ़ाएं : वर्मा

छतरपुर, देशबन्धु। नौगांव के जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण केंद्र में पांच दिवसीय आंग्ल भाषा प्रशिक्षण शिविर लगाया गया। इसके माध्यम से अंग्रेजी विषय की शिक्षा देने के सरलतम बिंदु बताए गए। जिले के सभी विकासखंडों से आए शिक्षक प्रशिक्षणार्थियों को चार मास्टर ट्रेनर ने प्रशिक्षण दिया है। पांचवें दिन समापन अवसर पर डाइट प्राचार्य आरके वर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण से जो बारीकियां सीखी हैं, उनका लाभ अपने विद्यालय के बच्चों तक पहुंचाएं ताकि उनके अंग्रेजी भाषा के ज्ञान में बढ़ोत्तरी हो सके। मास्टर ट्रेनर अजय मोहन तिवारी, शिवेंद्र निगम, जेपी रैकवार एवं राघवेंद्र सिंह नेअंग्रेजी के महत्वपूर्ण बिंदुओं को सरल ढंग से बताया। आर्टिकल से लेकर टेंस तक विषय वस्तु समझाने की सरल विधियां बताई गई, जिससे बच्चों को आसानी से समझया जा सके। प्रशिक्षण के दौरान कई गतिविधियों में प्रशिक्षणार्थियों को सहभागी बनाया गया। प्रशिक्षण प्रभारी अलका खरे ने कहा अब अपेक्षा की जा सकती है कि यहां से जो कुछ भी मिला है, वह विद्यालय तक अवश्य पहुंचेगा। इस अवसर पर वरिष्ठ व्याख्याता ममता चतुर्वेदी, कामिनी सिंह, भारती मैडम, जितेंद्र खरे सहित अन्य डाइट के साथी उपस्थित रहे।

मौसम में बदलाव को लेकर स्वास्थ्य विभाग ने दी बचाव एवं उपचार संबंधी सलाह

रायसेन, देशबन्धु। मौसम में बदलाव को दृष्टिगत रखते हुए निमोनिया की संभावना के दृष्टिगत बच्चों में निमोनिया के लक्षणों की पहचान एवं उसके उपचार एवं प्रबंधन के लिए स्वास्थ्य विभाग द्वारा सलाह जारी की गई है। साथ ही निमोनिया के आकलन, निमोनिया का वर्गीकरण, खतरनाक लक्षणों के चिन्हों की पहचान, समुदाय आधारित निमोनिया का प्रबंधन, उपचार एवं रेफरल के संबंध में मैदानी कार्यकर्ताओं को जानकारी दी गई है।

स्वास्थ्य विभाग से प्राप्त जानकारी अनुसार सर्दी के मौसम में बच्चों में निमोनिया के केसेस ज्यादा पाए जाते हैं। इसे देखते हुए मैदानी स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को अवगत किया गया है जिससे कि वह अपने क्षेत्र में निमोनिया के लक्षण वाले बच्चों की शीघ्र पहचान कर शीघ्र प्रबंधन कर सकें। निमोनिया फेफड़े का संक्रमण है जिससे फेफड़ों में सूजन हो जाती है। निमोनिया होने पर बुखार खांसी और सांस लेने में कठिनाई जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। तेज सांस चलना या छाती का धंसना निमोनिया के दो मुख्य चिन्ह है। बच्चों में सांस की गति का ठीक ढंग से आकलन करके निमोनिया को प्रारंभिक अवस्था में ही पहचाना जा सकता है। इसके लिए बच्चों की श्वास को एक मिनट तक निरंतर देखा जाता है। दो माह तक की उम्र के बच्चों की सांस लेने की दर एक मिनट में 60 या उससे अधिक होने पर, 2 माह से एक वर्ष तक की आयु में 50 या उससे अधिक एवं 1 वर्ष से 5 वर्ष तक के बच्चों में प्रति मिनट 40 या उससे अधिक सांस की दर होने पर निमोनिया होने की संभावना रहती है।

ब्लैकमेलिंग के आरोप में युवक को होटल से पकड़कर पुलिस को सौंपा, मामला दर्ज

छतरपुर, देशबन्धु। शहर के पन्ना रोड स्थित होटल आदर्श प्लाज़ा में शुक्रवार को उस समय हड़कंप मच गया जब हिंदू संगठनों के कार्यकर्ताओं ने एक युवक को लड़की को ब्लैकमेल करते हुए पकड़ लिया। इसके बाद युवक को जुलूस के रूप में सिविल लाइन थाने ले जाकर पुलिस के सुपुर्द बकर दिया। पुलिस ने उसके खिलाफ गंभीर धाराओं में मामला दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार आरोपित युवक ने एक हिंदू किशोरी के साथ शारीरिक संबंध बनाकर उसके आपत्तिजनक वीडियो अपने मोबाइल में रिकॉर्ड कर लिए थे। इन वीडियो के जरिए वह किशोरी को बार बार ब्लैकमेल करके रुपयों की मांग कर रहा था। किशोरी उसे पहले 10,000 रुपये दे चुकी थी। शुक्रवार को फिर 35,000 रुपए की मांग की गई, इससे तंग आकर किशोरी ने हिम्मत जुटाकर मामले की जानकारी हिंदू संगठन के सदस्यों को दे दी। सूचना मिलते ही बजरंग दल, विश्व हिंदू परिषद और दुर्गा वाहिनी के सदस्य होटल आदर्श प्लाज़ा पहुँचे और कमरे में ही आरोपी युवक को दबोच लिया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोग वहां जमा हो गए और माहौल तनावपूर्ण हो गया। संगठन के सदस्यों का दावा है कि आरोपी युवक के मोबाइल में कई युवतियों के आपत्तिजनक वीडियो और तस्वीरें मिली हैं। युवक काफी समय से एक युवती की मदद से नाबालिग किशोरियों को फंसाकर ब्लैकमेल करने का रैकेट चला रहा था। विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया कि शहर में इस तरह की घटनाएँ लगातार सामने आ रही हैं, और यदि जल्द रोक नहीं लगी तो संगठन धरने पर बैठने को मजबूर होगा।

इनका कहना है

एक लड़की द्वारा थाने में आवेदन देकर रिपोर्ट दर्ज कराई गई है कि एक युवक द्वारा उनके साथ छेड़छाड़, ब्लेकमेलिंग करके सब मानसिक प्रताड़ित किया जा रहा था। इन्हीं धाराओं में प्रकरण पंजीबद्ध करके विधि सम्मत कार्यवाही की जा रही है। इस मामले में दो लोगों अन्य का नाम आया है, जिन पर एफआईआर दर्ज कर वैधानिक कार्यवाही की जा रही है।

अरूण कुमार सोनी
सीएसपी, छतरपुर

शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करके कलेक्टर ने दिए निर्देश

छात्रवृत्ति स्वीकृति एवं प्रोफाइल में लापरवाही न की जाए

छतरपुर, देशबन्धु। कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में आयोजित बैठक में शिक्षा विभाग के कार्यों की समीक्षा करके कहा कि छात्रों की छात्रवृत्ति सेशन करने से लेकर प्रोफाइल अपडेशन में लापरवाही न की जाए। ऐसा करने वालों पर कडी कार्यवाही की जाएगी। कलेक्टर ने कलेक्टर ने छात्रवृत्ति एवं प्रोफाइल अपडेशन में लापरवाही बरतने पर शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल क्रमांक 2 के प्राचार्य पर कार्यवाही के लिए प्रस्ताव भेजने के निर्देश देकर कहा छात्रों की छात्रवृत्ति सेंशन के संबंध में किसी भी अधिकारी की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने यू-डाईस पोर्टल के नामांकन में अंतर होने और ड्रॉप बॉक्स में अधिक संख्या में छात्र लंबित होने के कारण बीईओ की एक दिन की वेतन काटने, बीआरसीसी छतरपुर और बीईओ बड़ामलहरा को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। बैठक में अनुपस्थित रहने पर डाईट प्राचार्य को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर श्री जैसवाल ने यू-डाईस, चाइल्ड ट्रैकिंग, नामांकन, छात्रवृत्ति, लैपटॉप योजना, ई-स्कूटी योजना, पुस्तक, गणवेश, साईकिल वितरण, ई-अटेंडेंस और सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा की। बैठक में जिला पंचायत सीईओ नम: शिवाय अरजरिया, प्रभारी डीईओ अरुण शंकर पाण्डेय सहित सभी बीआरसीसी और बीईओ सहित जिला शिक्षा केन्द्र के अधिकारी उपस्थित रहे।

साइकिल वितरण में न करें लापरवाही

कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी बच्चों को यूनिफॉर्म के लिए मिलने वाली राशि का समय सीमा में भुगतान करें। उन्होंने ब्लॉकवार शतप्रतिशत साईकिल वितरण करके पोर्टल पर एण्ट्री करने के निर्देश देकर कहा कि डिमांड होने पर और साईकिल मंगाने का प्रस्ताव भी भेजा जाए। कलेक्टर ने कहा अधिकारी साईकिल के पात्र एवं अपात्र बच्चों का ठीक से परीक्षण जरुर करा लें। ई-अटेंडेंस की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने कहा अटेंडेंस के साब से ही सभी की वेतन का भुगतान किया जाएगा। कलेक्टर ने सीएम हेल्पलाइन की समीक्षा करते हुए कहा कि शिकायकर्ता से अधिकारी स्वयं बात करके संतुष्टि से शिकायत को बंद कराएं।

2 बीएलओ को किया सम्मानित

कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी पार्थ जैसवाल ने एसआईआर के तहत गणना पत्रकों का शत प्रतिशत डिजिटलाइजेशन करने वाले दो बीएलओ को सम्मानित किया है। इनमें बिजावर विधानसभा क्षेत्र के मतदान केंद्र क्रमांक 225 हरपुरा के बीएलओ बलराम यादव और राजनगर विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत मतदान केंद्र 185 तिवारन पुरवा के बीएलओ विजय कुमार बाजपेयी को उनके अनुकरणीय कार्य के लिए कलेक्ट्रेट के सभाकक्ष में शॉल-श्रीफल से सम्मानित किया गया है।

सार समाचार

आर्यन ने किया राष्ट्रीय फुटबाल प्रतियोगिता में मप्र टीम का प्रतिनिधित्व

विदिशा, देशबन्धु। स्कूल शिक्षा विभाग के तत्वाधान में खेली जाने वाली शालेय खेल प्रतियोगिता एसजीएफआई में वात्सल्य ग्रुप के एमपी बोर्ड ब्रांच के मानसरोवर एकेडमी के विद्यार्थी आर्यन अहिरवार ने वर्ग ग्रुप अंडर 19 में मध्यप्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व किया। यह प्रतियोगिता 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर के मध्य श्रीनगर जम्मू कश्मीर में संपन्न हुई। आर्यन अहिरवार कक्षा 12 वाणिज्य विभाग में अध्ययनरत है.विद्यालय संचालिका देवना अरोरा, नम्रता अरोरा, प्राचार्य रवि व्यास एवं समस्त विद्यालय प्रबंधन ने छात्र को शुभकामनाएँ देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की।

36 सौ किमी की नर्मदा परिक्रमा पूरी कर लौटे श्रद्धालु

गंजबासौदा, देशबन्धु। नर्मदा परिक्रमा वासी 3600 किमी की यात्रा पूरी कर गुरुवार देर शाम नगर लौटे। बस से उतरते ही परिक्रमा वासियों का स्वागत नर्मदे हर नर्मदे हर के जयघोष से गूंज उठा। महिलाओं ने आरती उतारी, बच्चों ने फूल बरसाए और ढोल-ढमाकों की गूंज ने स्वागत को और भव्य बना दिया। मालूम हो कि नगर के भक्ति दर्शन फाउंडेशन परिवार द्वारा आयोजित पंद्रह दिवसीय भव्य नर्मदा परिक्रमा अमावस्या को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक के साथ पूर्ण हुई। परिक्रमा पर गए नगर के श्रद्धालुओं ने यात्रा के दौरान मां नर्मदा तीर्थ महिमा श्रद्धालुओं को सुनाई। नर्मदा पुराण कथा की भी परिक्रमा के साथ पूर्णाहुति हुई। यह परिक्रमा यह 5 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा को ओंकारेश्वर में नर्मदा जल भरने से प्रारंभ हुई थी और 20 नवंबर अमावस्या को ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग पर जलाभिषेक के साथ सम्पन्न हुई।

नर्मदेश्वर महादेव मंदिर तक चल रहे धार्मिक कार्यक्रम समापन

आष्टा, देशबन्धु। अन्नपूर्णा कॉलोनी में आस्था और सामाजिक समर्पण की मिसाल प्रस्तुत करते हुए नवनिर्मित नर्मदेश्वर महादेव मंदिर का तीन दिवसीय भव्य धार्मिक आयोजन सम्पन्न हुआ। यह मंदिर स्व. मांगीलाल गोठानिया एवं स्व: मानक चंद साहू की पावन स्मृति में निर्मित किया गया है। दोनों दिवंगतों की याद में उनके परिजनों जितेंद्र कुमार गोठानिया तथा राम श्याम साहू ने अपनी निजी स्वामित्व की 15म30 (450 वर्ग फीट) भूमि मंदिर निर्माण हेतु दान की थी। यह भूमि दान सकल पंच आष्टा अध्यक्ष श्री अनिल कुमार श्रीवास्तव व्यापार महासंघ अध्यक्ष रूपेश राठौर कल्लू मुकाती राकेश सुराणा की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। मंदिर का निर्माण साई/अन्नपूर्णा कॉलोनी के निवासियों के सामूहिक सहयोग से पूर्ण हुआ। निर्माण पूर्ण होने के बाद 19 नवंबर से तीन दिवसीय धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। 20 नवंबर को भगवान नर्मदेश्वर महादेव की प्राण-प्रतिष्ठा विधि-विधान से सम्पन्न हुई, जबकि 21 नवंबर को विशाल भंडारा आयोजित किया गया।

पीड़ित व्यक्ति को आरोपी ने मारा पत्थर, मामला दर्ज

दिगौड़ा, देशबन्धु। थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूनोल में गुरुवार की रात करीब 9 बजे पीड़ित व्यक्ति के साथ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली-गलौज की गई और आरोपी ने पत्थर मार दिया। इस घटना में पीड़ित घायल हो गया। परिजन उसको जिला अस्पताल ले गए। जहां उसका इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी व्यक्ति के खिलाफ मारपीट व एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच में लिया है।

दिगौड़ा पुलिस ने बताया है कि थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पूनोल में 20 नवंबर की रात करीब 9 बजे पीड़ित व्यक्ति सुनील अहिरवार को गांव के प्रमोद संज्ञा ने फोन लगाकर बुलाया कि उनका लड़का उनके साथ लड़ाई झगड़ा कर रहा है। इतने में पीड़ित व्यक्ति उनके घर पर पहुंचा तो वहां पर जानू संज्ञा ने पीड़ित व्यक्ति के साथ जाति सूचक शब्दों के साथ गाली गलौज की और वहीं पर डला पत्थर उठाकर पीड़ित को मार दिया, जिससे वह घायल हो गया। परिजन उसको जिला अस्पताल ले गए, जहां पर पीड़ित को भर्ती कर इलाज किया जा रहा है। रिपोर्ट पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज किया है।

एसडीएम की समझाइश के बाद व्यापारियों ने शुरू किया काम

मंडी में किसान और व्यापारी के बीच विवाद से रुकी नीलामी

सिरोंज, देशबन्धु। स्थानीय कृषि उपज मंडी में मंगलवार दोपहर भाव को लेकर किसान और व्यापारियों के बीच हुए विवाद के कारण नीलामी लंबे समय तक बाधित रही। जानकारी के अनुसार एक किसान की मक्का क्वालिटी के अनुसार 1200 प्रति क्विंटल बिकी थी, लेकिन भाव से असंतुष्ट किसान ने व्यापारियों के साथ विवाद कर दिया।

स्थिति बिगड़ने पर व्यापारी नीलामी स्थल छोड़कर चले गए, जिससे मंडी में भारी अव्यवस्था फैली और किसानों की हजारों बोरी फसल पर नीलामी प्रक्रिया रुक गई। घटना की जानकारी मिलने पर एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा मौके पर पहुंचे और स्थिति को शांत कराया। व्यापारियों की मांग पर पुलिस सुरक्षा, मंडी अधिकारियों की उपस्थिति और विवाद करने वाले किसानों पर कार्रवाई का आश्वासन देते हुए उन्होंने दोपहर 1 बजे मंडी गेस्ट हाउस में व्यापारियों के साथ बैठक की। आश्वासन मिलने के बाद व्यापारियों ने दोपहर 3 बजे से नीलामी दोबारा शुरू की, जो देर शाम तक लगातार जारी रही। थोक अनाज तिलहन व्यापार संघ के अध्यक्ष समीर भार्गव ने बताया कि विवाद गंभीर होने के कारण व्यापारी नीलामी छोड़कर चले गए थे, परंतु प्रशासन की मध्यस्थता में समस्या का समाधान होने पर नीलामी सुचारु रूप से संपन्न की गई।

आज सोयाबीन की नीलामी भी 12.30 बजे से शुरू होकर भारी आवक को देखते हुए शाम 4 बजे तक जारी रही। लगातार आवक और विलंबित प्रक्रिया के चलते शहर में ट्रैफिक व्यवस्था भी प्रभावित रही। बस स्टैंड क्षेत्र में जाम लगने से वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। एसडीएम हरिशंकर विश्वकर्मा ने कहा कि भाव को लेकर किसान और व्यापारी के बीच विवाद हुआ था, जिसे समझाइश देकर शांत कराया गया और नीलामी पुन: शुरू कराई गई।

बैंक मैनेजर किराए के कमरे में मृत मिले, हृदयघात की आशंका

सिरोंज, देशबन्धु। एक्सिस बैंक के शाखा प्रबंधक चेतन चौधरी (जैन) 44 वर्ष अपने किराए के मकान पालीवाल कॉलोनी में मृत अवस्था में मिले। शुक्रवार दोपहर घटना का खुलासा तब हुआ जब उनकी पत्नी ने मकान मालिक अजय दुबे को फोन कर बताया कि चेतन का फोन बंद आ रहा है और संपर्क नहीं हो पा रहा। मकान मालिक ने जब घर जाकर देखा तो चेतन की कार बाहर खड़ी थी लेकिन कमरा अंदर से बंद था। बार-बार दरवाजा खटखटाने पर भी कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद मकान मालिक ने बैंक जाकर कुछ कर्मचारियों को साथ लाए और कुदाल-सब्बल से दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां चेतन चौधरी बिस्तर पर मृत मिले। उनका मोबाइल भी पास में रखा हुआ था। मौके पर बुलाए गए निजी डॉक्टर ने बताया कि मृत्यु रात लगभग 2 बजे हुई होगी और प्रथम दृष्टया हार्ट अटैक कारण प्रतीत होता है।

सागर जाने की तैयारी में थे बैंक मैनेजर: बैंक सहकर्मी गुलाब दास ने बताया कि चेतन शुक्रवार को सागर स्थित अपने घर जाने वाले थे। शनिवार-रविवार अवकाश होने पर वे अक्सर परिवार के पास चले जाते थे। कमरे में फिटनेस उपकरण मिले हैं, जिससे पता चलता है कि वे स्वास्थ्य के प्रति सजग थे।

पत्नी और बेटी सागर में रहती

चेतन की पत्नी सागर के एक निजी स्कूल में अध्यापक हैं और 12 वर्षीय बेटी के साथ वहीं रहती हैं। परिजनों और पुलिस को सूचना देकर शव को राजीव गांधी स्मृति अस्पताल भेजा गया, जहां पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मृतक के भाई नीतेष जैन की रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

वायरल आडियो से फिर सुर्खियों में आए उपाध्यक्ष

नपा के कार्यकारी अध्यक्ष दिवाकीर्ति ने थाने में आवेदन देकर की कार्रवाई की मांग

विदिशा,देशबन्धु। शुक्रवार को एक और आडियो वायरल हुआ है इसमें नपा के उपाध्यक्ष और अन्य व्यक्ति की आवाज सुनाई दे रही है जिसमें कमीशन के साथ उपाध्यक्ष संजय दिवाकिर्ति के साथ अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया है।

इसको लेकर में शहर में दिन भर चर्चा होती रही। कुछ दिन पहले एक ठेकेदार और नपा उपाध्यक्ष का भी एक आडियो वायरल हुआ था। जिसमें कमीशन के प्रतिशत को लेकर चर्चा हो रही थी। इस मामले में पुलिस जांच कर रही है। शुक्रवार को जो आडियो वायरल हुआ उसको लेकर अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश शर्मा और उपाध्यक्ष संजय दिवाकिर्ति ने कोतवाली में टीआई को आवेदन दिया और जांच की मांग की।

इसके साथ एक और आवेदन दिया गया है जिसमें अड़ीबाजी की शिकायत की गई है। नगर पालिका में कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में पदस्थ और नगर पालिका के निर्वाचित उपाध्यक्ष संजय दिवाकीर्ति,जिसमें उन्होंने एक आवेदन के माध्यम से अनाज गल्ला व्यापारी यशवंत साहू के खिलाफ लिखित शिकायत की जिसमें उन्होंने अभद्र व्यवहार गाली गलौज और अप शब्दों का इस्तेमाल करते हुए फोन रिकॉर्डिंग वायरल की है। उस पर कार्रवाई की मांग की गई। इसके अलावा यूट्यूब के खिलाफ भी एक लिखित शिकायत की है।

'पुलिस कैसे बने' कार्यशाला का समापन आज

विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं को लेकर दिया मार्गदर्शन

विदिशा,देशबन्धु। शासकीय आदर्श महाविद्यालय जाफरखेडी में आयोजित छह दिवसीय 'पुलिस कैसे बने' कार्यशाला अपने अंतिम चरण में पहुंच गई है। कार्यशाला के पांचवें दिन वैदिक गणित विशेषज्ञ डॉ. अवधेश पांडे ने विद्यार्थियों को प्रतियोगी परीक्षाओं में गणित और रीजनिंग की महत्ता समझाते हुए प्रेरक मार्गदर्शन दिया।

डॉ. पांडे ने कहा कि वैदिक गणित केवल गणना की एक तकनीक नहीं, बल्कि एक बौद्धिक साधना है, जो शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और दैनिक जीवन को अधिक सरल, तीव्र और प्रभावी बनाती है। उन्होंने बताया कि पुलिस भर्ती परीक्षाओं के लिखित भाग में सामान्य गणित और रीजनिंग का महत्वपूर्ण योगदान होता है, इसलिए समय प्रबंधन और शुद्धता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने विद्यार्थियों को गुणा, भाग, वर्ग, घन, प्रतिशत, औसत, सरलीकरण आदि विषयों पर वैदिक गणित की त्वरित एवं तार्किक विधियां सिखाई और बताया कि कठिन सवाल भी कुछ ही सेकंड में हल किए जा सकते हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. एकता गुप्ता ने किया तथा आभार पवन प्रजापति ने व्यक्त किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. ब्रह्मदीप अलूने ने बताया कि छह दिवसीय कार्यशाला का समापन शनिवार को एक महिला पुलिस अधिकारी की विशेष उपस्थिति में किया जाएगा। समापन सत्र में अन्य शैक्षणिक संस्थानों के विद्यार्थियों के भी शामिल होने की संभावना है, जिससे कार्यक्रम और अधिक उपयोगी एवं प्रेरणादायी होगा।

श्रीराम बारात को लेकर नगर में पीले चावल देकर किया आमंत्रित

गंजबासौदा। श्रीराम रस धारा परिवार की ओर से चक्रवर्ती श्रीराम बारात का आयोजन किया जा रहा है। डॉक्टर अभिषेक कृष्ण शास्त्री एवं अंकुर माधव शास्त्री ने बताया कि विगत वर्ष की तरह इस वर्ष भी चक्रवर्ती श्रीराम बारात का आयोजन नगर में किया जा रहा है। कार्यक्रम में विगत दिवस मटियाना, लगुन, और टीका व गोद भराई कार्यक्रम सम्पन्न हो चुकें हैं। 23 नवंबर रविवार को माता पूजन कार्यक्रम होगा और शाम 7 बजे गांधी चौक में नगर के सभी संगीतकार एवं सारेगामा के सुप्रसिद्ध गायक शरद शर्मा द्वारा भव्य भजन संध्या का कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। और 25 नवंबर मंगलवार को दोपहर 12 बजे हनुमान मंदिर रेलवे स्टेशन से चक्रवर्ती श्रीराम बारात गांधी चौक के लिए प्रस्थान करेगी।

रेलवे स्टेशन मार्ग पर तेज रफ्तार कार डिवाइडर से टकराई

गंजबासौदा, देशबन्धु। नगर की मुख्य सड़कों पर तेज रफ्तार वाहनों का चलन बढ़ गया है, जिसके कारण आए दिन हादसे हो रहे हैं। बीती रात रेलवे स्टेशन मार्ग पर एक तेज रफ्तार चार पहिया वाहन बेकाबू होकर डिवाइडर से जा टकराया। टक्कर इतनी भीषण थी कि डिवाइडर पर लगी जाली पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गई। गनीमत रही कि यह घटना रात के समय हुई, जब मार्ग पर लोगों की आवाजाही कम थी।

यदि यह हादसा दिन के समय या भीड़भाड़ वाले वक्त में होता तो बड़ा नुकसान हो सकता था। शहर में दुपहिया वाहन चालक भी अकसर तेज गति से वाहन चलाते देखे जाते हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि प्रशासन इस संबंध में कोई सख्त कदम नहीं उठा रहा है। वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद और नेता प्रतिपक्ष जगदीश व्यास ने इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बताया कि रेलवे स्टेशन मार्ग सहित आसपास की गलियों में बुलेट और अन्य वाहन तेज गति से चलाए जाते हैं, जिससे पहले भी कई घटनाएं हो चुकी हैं। रात के समय मुख्य मार्गों पर तेज रफ्तार में दौड़ते चार पहिया वाहनों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होती। व्यास ने यातायात विभाग के अधिकारियों से इस संबंध में शिकायत भी की है। इस मामले पर यातायात प्रभारी निरपत सिंह लोधी ने कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कहा कि तेज रफ्तार वाहन चलाने वाले चालकों के खिलाफ लगातार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस प्रकार की घटनाओं को रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

कन्या महाविद्यालय में संस्कृति ज्ञान परीक्षा का आयोजन

सीहोर, देशबन्धु। शासकीय कन्या महाविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा के तत्वधान में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2025-26 का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय की लगभग 50 छात्राओं ने उत्साहपूर्ण भागीदारी दर्ज की। यह परीक्षा भारतीय संस्कृति, परंपराओं, इतिहास, साहित्य एवं नैतिक मूल्यों पर आधारित थी, जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों में सांस्कृतिक जागरूकता और भारतीय ज्ञान परंपरा के प्रति रुचि विकसित करना है।

परीक्षा में छात्राओं ने अत्यंत उत्साह और लगन के साथ भाग लिया। प्रश्नपत्र को इस प्रकार तैयार किया गया था कि छात्राएं न केवल अपने ज्ञान का प्रदर्शन कर सकें, बल्कि भारतीय संस्कृति की गहराइयों को और अधिक समझ सकें।

परीक्षा के सफल संचालन में डॉ. पूजा कश्यप, भारतीय ज्ञान परंपरा प्रभारी, लखन कलशेरिया , मोहम्मद नाजिम हुसैन, नूरजहां हाशमी, चित्रांश खरे, डा नेहा शर्मा, डॉ. रमाकांत रिछारिया डॉ. मंगला रायबोले एवं समस्त प्राध्यापकों का विशेष योगदान रहा।

प्राचार्य डॉ मंजरी अग्निहोत्री एवं महाविद्यालय परिवार ने सभी प्रतिभागी छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं और भारतीय संस्कृति के संवर्धन हेतु ऐसे आयोजनों को अत्यंत आवश्यक बताया।

सिंचाई पर संकट: कचरा और मिट्टी से अटी नहर, विभाग ने शुरू की सफाई

टीकमगढ़, देशबन्धु। बड़ागांव धसान क्षेत्र में किसानों को पोखना तालाब से निकलने वाली नहर में पानी न मिलने से परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नहर में वर्षों से जमा कचरा और मिट्टी के कारण पानी का प्रवाह बाधित हो गया है, जिससे खेत सूखे पड़े हैं और फसलें प्रभावित होने लगी हैं। स्थानीय किसान कमलेश लोधी और सत्येंद्र चौरियाल के अनुसार, बड़ागांव नगर में सिंचाई का एकमात्र सहारा पोखना तालाब है, जिससे सैकड़ों एकड़ जमीन की सिंचाई होती है। नहर की उचित सफाई न होने के चलते पानी खेतों तक नहीं पहुंच पा रहा था। किसानों की लगातार शिकायतों के बाद जल संसाधन विभाग हरकत में आया। एसडीओ वीरेंद्र सिंह ने मौके पर पहुंचकर नहर का निरीक्षण किया और स्थिति का जायजा लिया। गुरुवार को विभाग ने एक जेसीबी मशीन लगाकर सफाई कार्य शुरू करा दिया है। किसानों ने बताया कि नहर कई जगह क्षतिग्रस्त है और लंबे समय से जमा कचरा-मिट्टी पानी के बहाव में बड़ी बाधा बन गए हैं। विभागीय अधिकारियों के अनुसार, पूरी नहर की सफाई में करीब एक सप्ताह का समय लग सकता है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण कार्य को लेकर विधायक कार्यालय में हुई बैठक

भाजपा के बीएलए-2 घर-घर जा कर मतदाताओं का सहयोग करें: गोपालसिंह

आष्टा, देशबन्धु। विधायक कार्यालय में विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने नगर मंडल के सभी 45 बूथों के बीएलए 2 की बैठक आहूत की । बैठक में जिला प्रभारी धारासिंह पटेल,नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाड़ा, विधानसभा प्रभारी धनरुपमल जैन,जिला मीडिया प्रभारी सुशील संचेती,जिला सह कार्यालय प्रभारी उमेश शर्मा,नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया,जावर मंडल अध्यक्ष विजेन्द्रसिंह ठाकुर विशेष रूप से उपस्तिथ रहे। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने बैठक में नगर पालिका के पार्षद, पार्षद प्रत्याशियों, बीएलए 2 को संबोधित करते हुए कहा कि मतदाता सूची का जो विशेष गहन पुनरीक्षण चल रहा है उसे हम सभी को अति गम्भीरता से लेना है । ये जो कार्य हो रहा है वो मतदाता सूची को पारदर्शी और विश्वसनीय बनाने का माध्यम है। भाजपा के सभी कार्यकर्ता बीएलए, एसआईआर अभियान में बीएलओ के साथ साथ मतदाताओं का भी पूरा सहयोग करें । इसके लिए प्रत्येक कार्यकर्ता को प्रतिदिन कुछ समय निकालकर अपने वार्ड के प्रत्येक बूथ पर जाएं। पार्टी की ओर से सभी मतदान केंद्रों के बीएलए 2 नियुक्त किये गये है। तय कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में जाकर परिवार में विवाह के पश्चात जुड़े नये सदस्यों(बहु) के नाम जुड़वाये,साथ ही जो मतदाता जीवन यापन के लिए रह रहे हैं,किन्तु यहां के स्थाई निवासी नहीं है,उनके नाम की भी चिंता करना है। विधायक गोपालसिंह इंजीनियर ने कहा कि पार्टी के सभी कार्यकर्ता अपने-अपने क्षेत्र में यह सुनिश्चित करें कि किसी भी पात्र मतदाता को एसआईआर की प्रक्रिया के दौरान कोई परेशानी न होने पाए। जो पात्र है उनके नाम जुड़े,जो अपात्र है,यहा नही रहते है उनके नाम ना जुड़े । चुनाव आयोग एसआईआर प्रक्रिया मतदाता सूची के सटीक और शुद्धिकरण के लिए चलाई जाने वाली प्रक्रिया है, जो समय-समय पर होती रहती है। अगर मतदाता सूची में कुछ ऐसे लोगों के नाम भी हैं, जो कई स्थान पर मतदाता बने हैं तो उनके संबंध में भी बीएलओ और निर्वाचन आयोग को जानकारी देकर मतदाता सूची को सटीक कराने में सहयोग करें।

बैठक में जिला प्रभारी धारासिंह पटेल ने बताया की उक्त कार्य को सभी गम्भीरता से ले, यू तो सभी बीएलओ 2 अच्छा कार्य कर रहे है,फिर भी अगर कोई कार्य मे रुचि नही ले रहे है तो उनके स्थान पर दूसरे को नियुक्त कर सकते है। संगठन ऊपर तक इस कार्य को लेकर अति गम्भीर है,प्रतिदिन वह जानकारी भी ले रहे है। बैठक को नपा अध्यक्ष प्रतिनिधि रायसिंह मेवाडा,सुशील संचेती आदि ने भी संबोधित किया। आज बीएलए 2 की बैठक में विशाल चौरसिया एवं धनरुपमल जैन ने सभी 45 मतदान केंद्रों पर कितने प्रतिशत कार्य हुआ उसकी जानकारी दी । सभी की उपस्तिथि भी ली गई । आज बैठक में 45 में से करीब 40 बीएलए 2 उपस्तिथ रहे । बैठक में भाजपा के पदाधिकारी, पार्षदगण, पार्षद प्रत्याशी एवं मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि,बीएलओ 2,बूथ अध्यक्ष आदि उपस्थित रहे। बैठक का संचालन नगर मंडल अध्यक्ष प्रतिनिधि विशाल चौरसिया ने एवं आभार पूर्व पार्षद कालू भट्ट ने व्यक्त किया।

सांसद खेल महोत्सव : क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ शुभारंभ

भेरुंदा, देशबन्धु। भाजपा मंडल भेरुंदा के तत्वावधान में नगर के खेल परिसर में सांसद खेल महोत्सव के अंतर्गत भव्य क्रिकेट प्रतियोगिता आयोजन किया गया। भाजपा के पूर्व जिलाध्यक्ष रवि मालवीय ने फीता काटकर इस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

शुभारंभ अवसर पर हुए मुकाबले में नगर परिषद पार्षद इलेवन और पत्रकार इलेवन आमने-सामने आए। इस मैत्री मैच ने मैदान में मौजूद दर्शकों में उत्साह और ऊर्जा का शानदार माहौल बना दिया। उद्घाटन के तुरंत बाद पहला औपचारिक मुकाबला केसीसी इलेवन और भेरुंदा वारियर्स के बीच खेला गया। इस मैच में खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए खेल भावना का अद्भुत परिचय दिया। तेज गेंदबाजी, आकर्षक बल्लेबाजी और शानदार फील्डिंग ने दर्शकों का मन मोह लिया। प्रतियोगिता के दौरान युवा खिलाड़ियों के उत्साह ने यह स्पष्ट कर दिया कि क्षेत्र में खेल प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। मंडल के अंतर्गत आने वाली विभिन्न टीमों की भागीदारी के साथ यह प्रतियोगिता अगले चार दिनों तक चलेगी। हर दिन कई रोमांचक मुकाबले आयोजित किए जाएंगे, जिनके आधार पर सर्वश्रेष्ठ टीम का चयन किया जाएगा। चयनित टीमें आगे चलकर विधानसभा स्तरीय प्रतियोगिता में भेरुंदा मंडल का प्रतिनिधित्व करेंगी। कार्यक्रम में रवि मालवीय, नगर परिषद अध्यक्ष मारुति शिशिर, चंद्रकांत खंडेलवाल, मंडलाध्यक्ष आशीष शर्मा, ओम पटेल, जितेंद्र गौड़, राजेश पंवार, संजय पटेल, महेंद्र परिहार, दीनबंधु कुशवाह, कपिल खंडेलवाल, गोपाल तिवारी, राजेश लखेरा, रितेश मकवाना, गोल्डी अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति शामिल रहे।

मुख्यमंत्री ने करोड़ों के विकास कार्यों का किया लोकार्पण और भूमि-पूजन किया, कहा-

प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को बनाया जा रहा स्वावलंबी

विदिशा, देशबन्धु। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में प्रदेश के गरीब, किसान, बहनों और युवाओं के कल्याण के लिए राज्य सरकार दृढ़ संकल्पित है। प्रदेश की समृद्धि के लिए गांवों को विकास और स्वावलंबन की धारा से जोड़ा जा रहा है। किसानों की आय बढ़ाने के लिए गोपालन को प्रोत्साहित किया जा रहा है। राज्य सरकार ने अनेक किसान हितैषी निर्णय लिए हैं। किसानों को भावांतर योजना की राशि दी जा रही है। प्रदेश के हर गांव और हर खेत को पानी मिले, यही हमारी सरकार का संकल्प है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव विदिशा के कागपुर में जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत बड़े पैमाने पर जल स्त्रोतों का संरक्षण किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत में एक आदर्श वृंदावन ग्राम विकसित करने के लिए सरकार कार्य कर रही है। शुक्रवार को शमशाबाद का कागपुर जनसहयोग से श्रेष्ठतम ग्राम बनने का एक आदर्श उदाहरण है। उन्होंने कहा कि सर्व सुविधा युक्त इस गांव को नए हाट बाजार की सौगात मिली है, जिसमें 128 दुकानें तैयार की गई हैं। यह बाजार आसपास की बड़ी आबादी के लिए हाट बाजार का प्रमुख केंद्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर में म.प्र. टूरिज्म बोर्ड के माध्यम से वॉटर पार्क बनाने की घोषणा की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रदेश में बड़े पैमाने पर जल संरक्षण और जल स्त्रोतों के विकास का कार्य किया गया है। केन-बेतवा परियोजना से विदिशा जिले में सिंचाई के लिए कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर में आदर्श ग्राम योजना के अंतर्गत 5.75 करोड़ लागत के हाट बाजार का लोकार्पण किया। उन्होंने 2 हितग्राहियों को प्रतीक स्वरूप दुकानों की चाबी सौंपी। साथ ही विदिशा जिले के लिए 34 करोड़ लागत से 135 नवीन स्वीकृत सामुदायिक भवनों का भूमि-पूजन भी किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कागपुर प्रवास के दौरान लाड़ली बहनों, लखपति दीदीयों, पशुपालकों से संवाद किया। लाड़ली बहनों ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का प्रतिमाह 1500 रूपए देने पर आभार माना। संवाद में मुख्यमंत्री ने लखपति दीदीयों द्वारा किए जा रहे कार्यों की जानकारी ली और पशुपालकों को उनके हित में संचालित योजनाओं से अवगत कराया।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद सिंह पटेल ने कहा कि प्रदेश में ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत पहली बार पंचायत, जनपद पंचायत और जिला पंचायतों के तीन मंजिला भवन निर्माण की शुरुआत की गई है। इन भवनों को डिजाइन के अनुरूप मजबूत आधार प्रदान किया जा रहा है। राज्य सरकार से 5वें वित्त की 6 हजार करोड़ राशि पंचायतों को मिल रही है। कार्यक्रम में पशुपालन मंत्री एवं विदिशा जिले के प्रभारी लखन पटेल, सांसद श्रीमती लता वानखेड़े, विधायक सूर्यप्रकाश मीणा, विधायक हरि सिंह रघुवंशी, विधायक हरि सिंह सप्रे, विधायक उमाकांत शर्मा, विधायक मुकेश टंडन, पूर्व विधायक प्रेमनारायण शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता रघुवंशी सहित जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

पूर्व उपराष्ट्रति जगदीप धनखड़ ने किया पुस्तक का विमोचन, बोले-

नैतिकता और अध्यात्मिकता से दूर हो रहे लोग

भोपाल, देशबन्धु। पूर्व उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने कहा कि मौजूदा समय में लोग नैतिकता और आध्यात्मिकता से दूर होते जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मैं फ्लाइट पकड़ने की चिंता से अपने कर्तव्य को नहीं छोड़ सकता। मेरा हाल का अतीत इसका सबूत है।

श्री धनखड़ आज भोपाल में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के वरिष्ठ पदाधिकारी और विचारक डॉ. मनमोहन वैद्य की पुस्तक 'हम और यह विश्व ' के विमोचन अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे। उपराष्ट्रपति पद से इस्तीफा देने के बाद यह धनखड़ का पहला बड़ा सार्वजनिक संबोधन था। उन्होंने कहा कि भगवान करे कोई नैरेटिव के चक्कर में न फंसे। जो समझना नहीं चाहते, हर हाल में बात को धूमिल करेंगे। जो जागकर भी सोया हो, उसे जगा नहीं सकते। धनखड़ ने कहा कि मैंने विचार-विमर्श के बाद तय किया कि अब अंग्रेजी में संबोधन करूंगा, क्योंकि जो लोग समझना ही नहीं चाहते, वे हर हाल में बात को गलत नैरेटिव में ढाल देंगे। उन्होंने कहा कि राष्ट्र के व्यापक कॉन्सेप्ट को सीमित कर दिया गया है। व्यक्ति अकेले नहीं लड़ सकता, लेकिन संस्था लड़ सकती है। धनखड़ ने कहा कुछ लोगों ने बड़ा हाहाकार कर दिया है। खुद को चुनौतियों के बीच मजबूत रखो, देशभक्ति बहुत जरूरी है। देश के प्रति अपने भाव समझो और वो करो जो देशहित में हो। देश के प्रति आपके कर्तव्य हैं, उन्हें पूरा करो। यह भी देशभक्ति है। बिना किसी बात को समझे, किसी दौड़ में शामिल न हों। बात को समझो, देखो।

वैद्य ने धनखड़ को अपना अभिभावक बताया

कार्यक्रम में मनमोहन वैद्य ने अपने संबोधन की शुरुआत में जगदीप धनखड़ को अपना अभिभावक कहा। वैद्य ने कहा एक घटना ने मेरे अंदर के लेखक को जाग्रत किया। श्री वैद्य ने कहा कि बेवजह विरोध करने से संघ का फायदा होता है। संघ के तृतीय वर्ग के प्रशिक्षण वर्ग में प्रणव मुखर्जी को बुलाया गया था। वह संघ की सदस्यता ग्रहण नहीं करने वाले थे। उन्हें सिर्फ संबोधन देना था, लेकिन उनका बहुत विरोध हुआ। बेवजह विरोध देखकर मैंने लेखन की शुरुआत की।

बजट के लिये सरकार ने आम नागरिकों से मांगे सुझाव

समृद्ध मध्यप्रदेश के लिये बनाएं अपनी पसंद का बजट

सुझाव देने की अंतिम तारीख 18 दिसम्बर

भोपाल, देशबन्धु। उप मुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा ने कहा है कि विकसित मध्यप्रदेश@2047 के विजन को साकार करने में वित्तीय वर्ष 2026-27 बजट महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। इसमें हर नागरिक की भूमिका होगी। बजट निर्माण में हर नागरिक की भागीदारी के लिये राज्य सरकार ने सभी से सुझाव मांगे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा अनुसार नागरिकों, विशेषज्ञों और संगठनों के सुझावों से बजट को और अधिक व्यावहारिक तथा विकासोन्मुखी बनाया जाएगा। नागरिक अपने सुझाव MPMyGov पोर्टल, टोल फ्री नंबर 0755-2700800, ईमेल budget.mp@mp.gov.in तथा डाक के माध्यम से भी भेज सकते हैं। सुझाव देने की अंतिम तारीख 18 दिसम्बर 2025 निर्धारित है।

श्री देवड़ा ने बताया कि बजट निर्माण की प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी बनाया गया है। आम नागरिकों की अपेक्षाओं को बजट में शामिल किया जायेगा। बजट प्रक्रिया को जनभागीदारी आधारित, लोक हितैषी और भविष्य उन्मुख बनाने के उद्देश्य से यह पहल की गई है। मध्यप्रदेश को वर्ष 2047 तक पूर्ण रूप से विकसित प्रदेश बनाने के लिए प्रदेश के वित्तीय प्रशासन का एक मजबूत ढांचा तैयार हो रहा है। इसके लिए अभी से एक आर्थिक नियोजन की तैयारी करना आवश्यक होगा। डेटा-आधारित वित्तीय रणनीति बनाकर प्रदेश की अर्थव्यवस्था में निरंतर सुधार लाना प्रमुख उद्देश्य है। इस उद्देश्य को संसाधनों के कुशल प्रबंधन और कठोर वित्तीय अनुशासन के माध्यम से प्राप्त किया जा सकता है। वर्ष@2047 तक प्रदेश की जीएसडीपी 250 लाख करोड़ तक पहुंच जाएगी। नागरिकों और विभिन्न क्षेत्रों, व्यवसायों में कार्यरत लोगों, विशेषज्ञों, हितग्राही समूओं से आग्रह है कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को और ज्यादा सक्षम बनाने के लिए अपने सुझाव दें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि विकसित मध्यप्रदेश@2047 के कई सेक्टर हैं जो आम नागरिकों के जीवन से सीधा जुड़े हैं। वर्ष 2047 तक प्रदेश को समृद्ध, संपन्न, सुखद और सांस्कृतिक समृद्ध बनाने के लिये प्रत्येक स्तर पर सभी नागरिकों के सहयोग की आवश्यकता है। वर्ष 2047 तक मध्यप्रदेश देश में पर्यटन क्षेत्र में प्रथम श्रेणी का प्रदेश बनाना है। नवकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में नम्बर एक प्रदेश बनना है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक समृद्धि आधारित अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। कौशल एवं प्रशिक्षण का अत्याधुनिक इको सिस्टम बनने के लिए प्रदेश तैयार हो रहा है इसमें आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। श्री देवड़ा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अगले वर्ष को कृषि आधारित उद्योगों को समर्पित वर्ष घोषित किया है। विगत कई वर्षों से प्रदेश की कृषि विकास दर में उत्तरोत्तर वृद्धि हुई है, अगले 2 दशकों में मध्यप्रदेश कृषि के क्षेत्र में अग्रणी प्रदेश होगा। इसी प्रकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था आदर्श स्थिति में होगी। औदयागिक निवेश का सकारात्मक प्रभाव आने वाले वर्षों में चारों ओर दिखने लगेगा।बजट प्रदेश की आर्थिक गति को मजबूत करने, रोजगार के अवसर बढ़ाने और आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ बनाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। प्रदेश में शासन एवं इसकी संबद्ध संस्थाओं में एक लाख से अधिक पदों की पूर्ति का लक्ष्य भी इस बजट प्रक्रिया का हिस्सा है। MPMyGov प्लेटफॉर्म पर प्राप्त सभी सुझावों को बजट निर्माण में प्राथमिकता से शामिल किया जाएगा।

मतदाता सूची में नाम खोजते निर्वाचन सदन पहुंच रहे लोग

भोपाल, देशबन्धु। प्रदेश में निर्वाचक नामावली की विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) -2026 शुरू होने के बाद मतदाता सूची में अपना नाम ढूंढते -ढूंढते लोग मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के दफ्तर निर्वाचन सदन पहुंच रहे हैं। ऐसे लोगों के लिए वहां एक हेल्पलाइन डेस्क की व्यवस्था की गई है। शुक्रवार शाम तक यहां 107 लोग पहुंचे लेकिन ज्यादातर लोगों का नाम मतदाता सूची में मिला ही नहीं।

13 नवंबर से काम कर रही हेल्प डेस्क तक पहुंचने वाले ज्यादातर लोग ऐसे हैं जिनका नाम मतदाता सूची से पहले ही हटा दिया गया है। ऐसे लोगों को अपने पुराने बीएलओ से संपर्क करने की सलाह दी जा रही है। साथ ही उन्हें फॉर्म-6 भरकर नए सिरे से नाम जुड़वाने को भी कहा जा रहा है।

कई मतदाताओं के माता पिता का नाम नदारद

निर्वाचन सदन पहुंचने वाले ऐसे लोग भी हैं जिनका नाम मतदाता सूची में तो है लेकिन उनके माता-पिता का नाम सूची से नदारद है। यह समस्या शहरी क्षेत्र में ज्यादा आ रही है। सबसे बड़ी समस्या इस बात की है कि लोगों को यही नहीं पता कि उनके माता-पिता का नाम कब और क्यों कटा। इसको लेकर लोग दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं और हेल्पलाइन डेस्क पर भी घंटों माथापच्ची कर रहे हैं। यह समस्या शहरी क्षेत्र में ज्यादा है। अधिकारियों के मुताबिक, ऐसे लोग जिनके माता-पिता का नाम पुरानी मतदाता सूची में नहीं है। उन्हें एआरओ नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने को कहेंगे।

शहरी क्षेत्र में धीमी है रफ्तार

एसआईआर प्रगति शहरी क्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा काफी धीमी है। मध्य प्रदेश के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी रामप्रताप सिंह जादौन का कहना है कि इसकी मुख्य वजह लोगों का एक से दूसरे मोहल्ले में विस्थापन है। इसलिए शहरी क्षेत्र में एसआईआर की गति ग्रामीण क्षेत्र की अपेक्षा धीमी प्रतीत होती है लेकिन हर संभव प्रयास किया जा रहा है। ऑनलाइन नई और पुरानी मतदाता सूची उपलब्ध है उसके सहारे आसानी से नाम को ढूंढा जा सकता है। इस संबंध में बीएलओ को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। स्थाई विस्थापन के कारण भी कुछ परेशानी आ रही है। बीएलओ को ऐसे लोगों के बारे में आस-पड़ोस से भी कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। उन्होंने दावा किया कि इस पूरी प्रक्रिया में किसी भी वैध मतदाता का नाम नहीं कटेगा।

भावांतर योजना : सोयाबीन का मॉडल रेट बढ़कर हुआ 4271 रुपए

भोपाल, देशबन्धु। भावांतर योजना 2025 के अंतर्गत सोयाबीन विक्रेता किसानों के लिए आज 21 नवंबर को 4271 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी किया गया है। यह मॉडल रेट उन किसानों के लिए है जिन्होंने अपनी सोयाबीन की उपज मंडी प्रांगणों में विक्रय की है। इस मॉडल रेट के आधार पर ही भावांतर की राशि की गणना की जाएगी।

सोयाबीन के मॉडल रेट में लगातार वृद्धि जारी है। पहला मॉडल रेट 7 नवंबर को 4020 रुपए प्रति क्विंटल जारी किया गया था। इसी तरह 8 नवंबर को 4033 रुपए, 9 और 10 नवंबर को 4036 रुपए, 11 नवंबर को 4056 रुपए, 12 नवंबर को 4077 रुपए, 13 नवंबर को 4130 रुपए, 14 नवंबर को 4184 रुपए, 15 नवंबर को 4225 रुपए, 16 नवंबर को 4234 रुपए, 17 नवंबर को 4236 रुपए, 18 नवंबर को 4255 रुपए, 19 नवंबर को 4263 रुपए और 20 नवंबर को 4267 रुपए प्रति क्विंटल का मॉडल रेट जारी हुआ था।

पत्रकार प्रकाशन प्रा.लि. के लिए गिरिराज चाचा द्वारा श्री सिद्धि विनायक प्रिंटर्स, प्लाट नं. 26 बी देशबन्धु परिसर, प्रेस कॉम्प्लेक्स, जोन-1, एम.पी. नगर, भोपाल म.प्र. 462011 से मुद्रित एवं प्रकाशित, संपादक: **पलाश सुरजन,** कार्यकारी संपादक: **ज़ाकिर अली*** फोन 0755-4222971, ई-मेल deshbandhubpl1@yahoo.co.in प्रेस पंजीयन-प.स. 45096/85 * समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।